RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः65 , शनिवार, 18 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

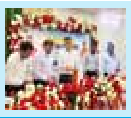
पीएम सूर्यघर योजना को गति देने के लिए सोलर मेला, डीएम ने दिए सख्त निर्देश 03

रामगढ़वा में आशा कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा, मानदेय भुगतान को लेकर पीएचसी पर धरना 04

रवीना टंडन की बेटी और राजकुमार हिरानी के बेटे की जोड़ी तैयार... 07

संक्षिप्त समाचार

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने अडाणी

- ब्लूमबर्ग बिलियनेयर की लिस्ट में मुकेश अंबानी को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स में उनकी नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.59 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर शख्स थे। उनकी नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर यानी करीब 8.42 लाख करोड़ है। गौतम अडाणीः इस साल इनकी नेटवर्त में 8.1 अरब डॉलर यानी 75.11 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी ने इनकी नेटवर्थ को बूस्ट दिया है। मुकेश अंबानीः इनकी संपत्ति में इस साल 16.9 अरब डॉलर यानी 1.57 लाख करोड़ रुपए घटी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट इसकी मुख्य वजह रही।

एक दिन में अडाणी की नेटवर्थ 33 हजार करोड़ बढ़ी

एक दिन में गौतम अडाणी की नेटवर्थ 3.56 अरब डॉलर यानी 33.01 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। इसी उछाल ने उन्हें मुकेश अंबानी से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अंबानी की नेटवर्थ में भी 7.67 करोड़ डॉलर यानी 712 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, लेकिन यह अडाणी की रफ्तार के सामने कम रही।

तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हरिवंश

- देश में पहली बार मनोनीत सदस्य को मिला यह पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हैं। उन्हें शुक्रवार को निर्विरोध चुना गया हैं। विपक्ष की ओर से कोई नाम नहीं आया था। पहली बार किसी मनोनीत सदस्य को राज्यसभा का उपसभापति चुना गया है। हरिवंश के समर्थन में राज्यसभा सचिवालय को पांच प्रस्ताव मिले। सदन के नेता जेपी नड्डा ने पहला प्रस्ताव रखा, जबकि

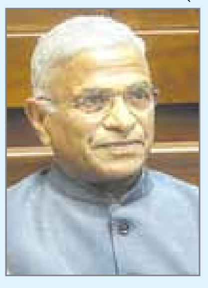

दूसरा प्रस्ताव नितिन नवीन ने दिया। पीएम मोदी ने कहा कि लगातार तीसरी बार उपसभापति चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि सदन को आप पर गहरा भरोसा है। बीते समय में आपके अनुभव का सदन को लाभ मिला है। आपने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हुआ था। उनकी पार्टी जेडीयू ने इस बार नाम नहीं दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने उनका मनोनयन किया। पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद सीट खाली हुई थी। इसे भरने के लिए के हरिवंश को चुना गया। वे 2032 तक राज्यसभा में रहेंगे।

18 मार्च को पीएम मोदी ने कमबैक का हिंट दिया था

बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान राज्यसभा में रिटायर हो रहे सांसदों का विदाई समारोह 18 मार्च को हुआ था। इस दौरान पीएम मोदी ने हरिवंश के लिए कहा था- हमारे उपसभापति हरिवंश विदा ले रहे हैं। हरिवंश को इस सदन में लंबे समय तक अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने हिंट दी थी कि हरिवंश की राजनैतिक पारी अभी खत्म नहीं हुई है।

सबरीमाला में महिलाओं की एंट्री पर 'सुप्रीम' सुनवाई

याचिकाकर्ता बोला-आस्था और विश्वास समय के साथ बदलते हैं, इन्हें कानून से नहीं बदल सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 5वें दिन की सुनवाई जारी है। याचिकाकर्ता की

तरफ से एडवोकेट राजीव धवन ने कोर्ट से कहा कि आस्था या विश्वास समय के साथ हमेशा बदलते रहते हैं। यह बदलाव सिर्फ किसी कानून के बन जाने से नहीं आता; बल्कि यह बदलाव तो लोगों के बीच से ही उभरकर आता है। इससे पहले 9 जजों की बेंच ने 15 अप्रैल की सुनवाई में कहा था कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। वहीं मंदिर प्रशासन त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने कहा कि सबरीमाला कोई खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यहां के देवता ब्रह्मचारी हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं।

लोकसभा में पास नहीं हो सका महिला आरक्षण बिल

विपक्ष ने नहीं दिया साथ,पक्ष में 298,विपक्ष में 230 वोट पड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान संशोधन बिल संसद में गिर गया। बिल के पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े। लोकसभा में 489 सांसदों ने वोट डाले। बिलों को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 489 का दो तिहाई 326 होता है। इस तरह बहुमत नहीं मिलने से ये बिल पास 54 वोट से गिर गया। 11 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा था कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। विपक्ष अगर वोट नहीं देगा तो बिल गिर जाएगा। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है। सरकार ने कहा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के कार्यान्वयन में तेजी लाना है। मंगलवार को केंद्र सरकार ने सांसदों के बीच ड्राफ्ट बिल बांटे। ये बिल महिलाओं के लिए आरक्षण कानून 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लागू करने और नए सिरे से परिसीमन करने से जुड़े हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल पर बहस का जवाब देते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी ने अब तक एक भी ओबीसी का प्रधानमंत्री नहीं दिया।

मोदी सरकार ने आधी रात को जारी किया नोटिफिकेशन

देश में लागू हो गया 2023 का महिला आरक्षण कानून

विपक्ष है हमलावर, बोला- कानून नहीं तो संशोधन कैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को 16 अप्रैल 2026 से लागू कर दिया है। संसद में गुरुवार से ही इसके संशोधन पर 3 दिनों के लिए बहस शुरू हुई। इस बीच, आधी रात को मूल कानून लागू करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसका मतलब यह है कि महिला आरक्षण के जिस कानून में संशोधन की बात की जा रही है, वह लागू ही नहीं हुआ था। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, कानून में संशोधन तभी हो सकता है जब वह लागू

हो चुका हो। अचानक सरकारी नोटिफिकेशन की यही वजह है। हालांकि, कानून लागू होने के बावजूद संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण तुरंत नहीं मिलेगा। पुराने कानून के मुताबिक, यह 2027 की जनगणना और उसके आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकेगा। इस बीच विपक्ष ने सवाल उठाया है कि जब महिला आरक्षण कानून लागू ही नहीं था तो सरकार इसमें संशोधन का बिल कैसे ले आई।

2023 में कानून बना लेकिन लागू नहीं हुआ था

महिला आरक्षण बिल को 2023 में लोकसभा और राज्यसभा में पास किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने भी मंजूरी दे दी लेकिन इसके बावजूद यह कानून संविधान का हिस्सा नहीं बना था। क्योंकि कोई कानून तब तक लागू नहीं माना जाता जब तक सरकार राजपत्र (गजट) में उसको लागू करने की तारीख अधिसूचित न कर दे। अब नोटिफिकेशन जारी होने के बाद कानून तो लागू हो गया है लेकिन इसे मौजूदा लोकसभा में लागू नहीं किया जा सकता। कानून के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, अगली जनगणना और उसके आधार पर परिसीमन (सीटों का पुनर्गठन) होगा। इसके बाद ही आरक्षण लागू किया जाएगा। इस प्रक्रिया के कारण आरक्षण 2034 तक लागू होने की संभावना जताई गई थी। हालांकि, सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कर महिला आरक्षण को 2029 के चुनाव से लागू करना चाहती है। इसके लिए सरकार ने संसद में तीन नए बिल पेश किए हैं- संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक, 2026। इन तीन बिलों को पास कराने के लिए सरकार ने 16 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। सरकार की इसी जल्दबाजी पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार नए संशोधन बिल के जरिए परिसीमन करना चाहती है, जिससे दक्षिण के राज्यों को नुकसान होगा। मोदी सरकार लोकसभा में बिल पर वोटिंग करा सकती है, अगर बिल गिर जाता है, तो सरकार इसका ठीकरा विपक्ष पर फोड़ सकती है। विपक्ष के साथ आम सहमति बना सकती है। विधेयकों को संसदीय स्थायी समिति के पास भेज सकती है।

यूपी में अंबेडकर के पोस्टर-झंडे जलाने पर भारी बवाल

डीएसपी का सिर फटा, वाराणसी में सड़क की जाम

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में अंबेडकर के झंडे-पोस्टर जलाने और हटाने को लेकर शुक्रवार को बवाल हो गया। दलित

समाज के लोगों ने बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग पर जाम लगा दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिस टीम पर भी पथराव कर दिया। इसमें एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना का सिर फट गया, जबकि चोलापुर थाने के दो दरोगा भी घायल हो गए। पूरा मामला अंबेडकर जयंती से जुड़ा है। चोलापुर थाना क्षेत्र के नेहिया गांव में उस दिन दलित समाज के लोगों ने झंडे-पोस्टर लगाए थे।

ईरान से तेल खरीद पर भारत का 'बड़ा खेल'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिफाइनर कंपनियों ने ईरान से खरीदे गए तेल का भुगतान चीनी मुद्रा युआन में किया है। यह पेमेंट ऐसे समय हुआ है जब ईरानी तेल खरीदने के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों में अस्थायी छूट मिली है। रॉयटर्स के मुताबिक यह पेमेंट मुंबई स्थित बैंक के जरिए किया गया, जिसने अपनी शंघाई शाखा के माध्यम से रकम ट्रांसफर की। भारतीय रिफाइनर्स ने सात साल बाद ईरान से तेल खरीदा है, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात इसका पेमेंट मोड है। भारत की सबसे बड़ी सरकारी रिफाइनरी इंडियन ऑयल

अमेरिकी डॉलर को छोड़ चीन की करेंसी युआन में किया पेमेंट

कॉर्पोरेशन ने इस महीने की शुरुआत में 20 लाख बैरल ईरानी कच्चा तेल खरीदा।
यह तेल बड़े जहाज जया के माध्यम से आया। यह करीब 20 करोड़ डॉलर (करीब 1857 करोड़ रुपये) का सौदा था और पिछले सात वर्षों में भारत की पहली ईरानी तेल खरीद मानी जा रही है।

ईरान की तरफ से थीं पेमेंट की अनोखी शर्त

आमतौर पर भारतीय सरकारी कंपनियां तेल की डिलीवरी मिलने के बाद भुगतान करती हैं लेकिन इस सौदे में कई शर्तें शामिल रहीं। ये इस प्रकार हैं: कंपनी ने तेल की कुल कीमत का 95 फीसदी हिस्सा तभी चुका दिया जब टैंकर भारतीय समुद्री सीमा में दाखिल हुआ। जानकारों के मुताबिक, प्रतिबंधों वाले देशों के साथ इस तरह की भुगतान व्यवस्था काफी असामान्य है।

एमपी-यूपी,राजस्थान सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

- कहा-चंबल नदी में अवैध रेत खनन नहीं रुकने पर पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करेंगे,सीसीटीवी कैमरे लगाइए

मुरैना (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चंबल नदी में अवैध रेत खनन को लेकर सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- अगर राज्य सरकारें अवैध खनन नहीं रोक पा रही हैं तो अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी। कोर्ट ने साफ कहा कि चंबल अभयारण्य क्षेत्र में जारी अवैध खनन न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह पर्यावरण और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा है।

सीसीटीवी कैमरे और जीपीएस से होगी सख्त निगरानी

सुप्रीम कोर्ट ने तीनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि अवैध खनन के रास्तों और नदी के संवेदनशील इलाकों में हाई-रिजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। साथ ही, खनन में इस्तेमाल होने वाले सभी वाहनों और मशीनों में जीपीएस डिवाइस अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि उनकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। कोर्ट ने पुलिस और वन विभाग को मिलकर 24 घंटे संयुक्त गश्त करने के निर्देश दिए हैं।

आरक्षण सिर्फ मुखौटा 'परिसीमन' का है खेल

- डिंपल यादव ने पीएम मोदी की 'गारंटी' पर भी कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित विधेयकों पर चर्चा के दौरान

समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने परिसीमन विधेयक का विरोध किया। उन्होंने बीजेपी पर आरोप आरोप लगाया कि बीजेपी महिला आरक्षण का मुखौटा पहनकर परिसीमन के जरिये खुद को सशक्त बनाना चाहती है। डिंपल ने सवाल उठाया कि सरकार ने अब तक जनगणना क्यों नहीं कराई और अब अचानक जल्दबाजी क्यों दिखा रही है। लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह दावा भी किया कि सरकार विधेयक को लेकर जल्दबाजी दिखा रही है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर किया हमला तो मचा बवाल

बालाकोट, नोटबंदी और सिंदूर का जादूगर पकड़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक

ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी, जिसपर सत्ता पक्ष बहुत भड़क गया। राहुल गांधी ने अपने बचपन में जादूगर की एक कहानी सुनाते-सुनाते पीएम मोदी पर आपत्तिजनक बात कह दी कि स्पीकर ओम बिरला को उसे सदन की कार्यवाही से हटाना पड़ा। राहुल गांधी ने पहले तो दावा किया कि बीजेपी को पता है कि वह इस बिल को पास नहीं करवा सकती। उन्होंनें कहा,बीजेपी को पता था, कि वास्तव में बिल पास नहीं कराया जा सकता। वे जानते थे। वे बेवकूफ नहीं हैं....यह पैनिक रियेक्शन था।

बीजेपी का रियेक्शन प्रधानमंत्री की वजह से था

उन्होंने आगे कहा कि यह पैनिक रियेक्शन प्रधानमंत्री के कारण था, जिन्हें किसी भी कीमत पर दो संदेश देना था। पहला, उन्हें भारत का चुनावी नक्शा बदलना था। और दूसरा, वह फिर से यह संदेश देना चाहते थे कि वे महिलाओं के पक्ष में हैं।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को खोला कमर्शियल जहाज गुजर सकेंगे

- ट्रम्प बोले-शुक्रिया,भारत ने ईरान से 2,358 लोगों को निकाला

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने सीजफायर के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोल दिया है। विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सभी कमर्शियल जहाजों को गुजरने की इजाजत होगी। यह फैसला लेबनान में सीजफायर के बाद लिया गया है। उन्होंने बताया कि

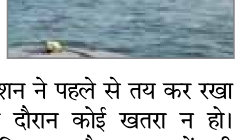

जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे, जिसे ईरान के पोर्ट्स और मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले से तय कर रखा है, ताकि सफर के दौरान कोई खतरा न हो। अराघची ने कहा कि इस दौरान जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समुद्री व्यापार प्रभावित न हो। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुल गया है।

संक्षिप्त समाचार

बेल तोड़ने के प्रयास में 12 वर्षीय छात्र की पिटाई, वैशाली में एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार

हाजीपुर। वैशाली में बेल तोड़ने के प्रयास में एक 12 वर्षीय छात्र की पिटाई की गई। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा फरार है। यह घटना बेलसर थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया गांव की है। घायल छात्र की पहचान रेहान अली (12) के रूप में हुई है। आरोप है कि रेहान ने गांव के प्रेम मिश्रा के बेल के पेड़ से ढेला फेंककर फल तोड़ने का प्रयास किया था। आरोप है कि प्रेम मिश्रा और सन्नी मिश्रा ने मिलकर रेहान को पकड़ा और डंडे से उसकी पिटाई की। पिटाई के कारण बच्चा बेहोश हो गया और उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घायल रेहान को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चे की मां रुबैदा खातून ने घर लौटने पर बेटे की हालत देखी और उसे लेकर थाने पहुंचीं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी प्रेम मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा आरोपी सन्नी मिश्रा अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। घायल छात्र रेहान अली ने बताया कि प्रेम मिश्रा और उसके परिवार के सन्नी मिश्रा ने मेरी डंडे से पिटाई की है। एक मुझे पकड़े हुए था, दूसरा मुझे पीट रहा था। मेरा कसूर बस इतना है कि मैंने उसके बेल के पौधे पर बेल तोड़ने के लिए ढेला फेंक दिया था। छात्र के मां जुबैदा खातून ने बताया कि प्रेम मिश्रा दबंग प्रवृत्ति के लोग हैं। मेरा लड़का कल दोपहर बेल के पेड़ पर ढेला फेंक दिया था। इसी बात पर गुस्सा होकर प्रेम मिश्रा और सन्नी मिश्रा ने कुत्ते की तरह दौड़ा-दौड़ाकर डंडे से मेरी बच्चे की बेरहमी से पिटाई कर दी। मुझे मेरी बड़ी बेटी ने फोन कर घटना की जानकारी दी। जिसके बाद इलाज के लिए उसे बेलसर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। लेकिन वहां से सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि रेहान के सिर पर चोट है। साथ ही उसके पूरे पीठ पर डंडे के काले-काले निशान है। जिसकी वजह से उसे सोने तक में दिक्कत हो रही है। इलाज कराने के बाद मैं अपने बेटे को लेकर थाने गई। इस पर प्रेम मिश्रा ने मुझे धमकी दी कि केस करोगी तो तुम्हें भी पीटेंगे। रेहान की मां ने बताया कि आरोपी का भाई फौज में है, जिसको लेकर वो धमकी देता है कि जब मन करेगा तब तुम्हें पीटेंगे।

मुजफ्फरपुर में सड़क हादसे में महिला टीचर की मौत, स्कूटी से जा रही थी स्कूल, अज्ञात वाहन ने रौंदा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में स्कूल जा रही महिला टीचर की मौत हो गई। मृतका की पहचान शिक्षिका बबीता कुमारी (41) के तौर पर हुई है। के अकुराहा खरगी मध्य विद्यालय में पोस्टिंग थी। घटना कांटी थाना क्षेत्र के एनएच-27 स्थित नेता चौक के पास की है। जानकारी के मुताबिक हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतका के पति मुन्ना कुमार जमालपुर रेलवे में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनके दो पुत्र हैं। बबीता कुमारी मूल रूप से ढेवहा गांव की रहने वाली थी। वर्तमान में मुजफ्फरपुर के भगवानपुर स्थित किराए के मकान में रह रही थीं। साल 2005 में उनकी नियुक्ति हुई थी। भाई आकाश कुमार ने बताया कि उनकी बड़ी बहन रोजाना स्कूटी से स्कूल जाती थी। रास्ते में अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। जिससे उनकी जान चली गई। वहीं, स्कूल की शिक्षिकाओं ने बताया कि बबीता कुमारी एक सरल और कर्तव्यनिष्ठ शिक्षिका थीं, जिनकी असमय मौत से विद्यालय परिवार स्तब्ध है। इधर, कांटी थानाध्यक्ष रविकांत पाठक ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। परिजनों के आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरपुर सेंट्रल जेल में छापेमारी, पुलिस टीम ने चप्पे-चप्पे को खंगाला, बैरक-टॉयलेट में तलाशी

मुजफ्फरपुर। बिहार में सम्राट चौधरी के सीएम बनने के बाद पुलिस एक्शन मोड में हैं। शुक्रवार सुबह नालंदा, मुजफ्फरपुर, औरंगाबाद समेत कई जिलों के मंडल कारा में छापेमारी की गई। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर राज्य की जेलों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। मुजफ्फरपुर स्थित शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में शुक्रवार सुबह जिलाधिकारी (DM) सुब्रत कुमार सेन और वरीय पुलिस अधीक्षक (SSP) कांतेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में छापेमारी की गई। यह तलाशी अभियान सुबह करीब 4:30 बजे शुरू हुआ। डीएम और एसएसपी के साथ दर्जनों थानों की पुलिस और पुलिस लाइन के बड़ी संख्या में जवानों ने जेल परिसर को चारों ओर से घेर लिया। अधिकारियों ने जेल के सभी वार्डों की बारीकी से जांच की। सर्च ऑपरेशन के दौरान जेल में बंद कई कुख्यात अपराधियों के हाई सिक्योरिटी वार्ड पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस टीम ने कैदियों के बिस्तरों, शौचालयों और वार्ड के हर कोने की तलाशी ली। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जेल के भीतर से संचालित होने वाले संभावित आपराधिक नेटवर्क को ध्वस्त करना और मोबाइल फोन, सिम कार्ड या मादक पदार्थों जैसी आपत्तिजनक सामग्री बरामद करना था। करीब 3 घंटे चली इस सघन तलाशी के बावजूद जेल के अंदर से कोई भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि यह कार्रवाई नियमित सुरक्षा समीक्षा और पुलिस मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के तहत की गई थी। जिसमें सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, सभी एसडीपीओ और कई थानों की पुलिस के साथ-साथ पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल तैनात किया गया था। SSP ने बताया कि करीब 3 घंटे तक चली इस सघन तलाशी के बावजूद जेल के अंदर से कोई भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है। उन्होंने जेल प्रशासन के सहयोग की भी सराहना की और कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण भविष्य में भी जारी रहेंगे।

मुजफ्फरपुर में गोल्ड कारोबारी की कार बरामद, देर रात हथियार के बल पर अपराधियों ने लूटी थी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पुलिस ने लूट के कुछ ही घंटों के बाद गोल्ड कारोबारी की कार बरामद कर ली है। पुलिस अब अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी कर रही है। बोचहां मार्केट में आभूषण की दुकान चलाने वाले शेखर कुमार गुरुवार रात दुकान बंद करके 10 साल के भांजे के साथ घर लौट रहे थे। उनसर काली चौक के पास सड़क किनारे खड़े कुछ लोगों ने टॉर्च जलाकर उन्हें रुकने का इशारा किया। शेखर को लगा कि पुलिस चेकिंग चल रही है। जैसे ही उन्होंने कार रोकी, अपराधियों ने खिड़की के पास पहुंचकर कनपटी पर पिस्तौल सटा दी। बच्चे को जान से मारने की धमकी देकर गाड़ी से नीचे उतार दिया। इसके बाद कार लेकर फरार हो गए। लूट की सूचना मिलते ही एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने तत्काल अपराधियों की धरपकड़ के लिए एक विशेष टीम का गठन किया। इस टीम का नेतृत्व ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर और एसडीपीओ पूर्वी-1 अलय वत्स को सौंपा गया। पुलिस ने तुरंत पूरे इलाके की नाकेबंदी की। तकनीकी सर्विलांस की मदद से लूटी गई कार की लोकेशन और अपराधियों के भागने के रास्ते को ट्रैक करना शुरू किया। पुलिस के पकड़े जाने के डर से अपराधी लूटी गई कार को गायघाट थाना क्षेत्र के मुनि कल्याण टोला के पास छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। वहीं, इस संबंध में एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि पुलिस ने प्रोफेशनल तरीके से काम करते हुए कुछ ही घंटों के अंदर लूटी गई कार को बरामद कर लिया है। इस घटना में शामिल अपराधियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

पटना में बड़े भाई ने छोटे को चाकू से गोदा, आरोपी फरार

पत्नी से अवैध संबंध के शक में की हत्या, गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

एजेंसी, पटना

पटना के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर दनियालपुर गांव में एक बड़े भाई ने पत्नी ,से अवैध संबंध के शक में अपने छोटे भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भाई मौके से फरार हो गया। यह घटना गुरुवार रात को हुई। मृतक की पहचान 19 वर्षीय शैलेश रविदास के रूप में हुई है, जो सजिंद्र रविदास का पुत्र था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

शैलेश का भाभी के साथ अफेयर का आरोप: परिजनों के अनुसार, शैलेश का अपनी ही भाभी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। लगभग दो महीने पहले शैलेश अपनी भाभी को लेकर घर से फरार हो गया था, जिसके बाद से बड़ा भाई शत्रुघ्न रविदास कथित तौर पर गुस्से में था।

दिल्ली से लौटा, शादी में हुआ विवाद: शैलेश दिल्ली में मजदूरी करता था। वह गुरुवार को गांव में पड़ोस के एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली से लौटा था। रात के समय जब घर के लोग शादी की तैयारियों में व्यस्त थे, तभी दोनों भाइयों के बीच पुरानी बातों को लेकर बहस शुरू हो गई।

चाकू से कई वार, आंतें तक बाहर निकलीं: प्रत्यक्षदर्शियों और मृतक की मां के मुताबिक, बहस के दौरान बड़ा भाई शत्रुघ्न ने धारदार चाकू से शैलेश के पेट पर कई वार किए। हमले में शैलेश गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी आंतें बाहर आ गईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भाई घटनास्थल से भाग गया।

PMCH में इलाज के दौरान मौत: परिजनों ने गंभीर रूप से घायल शैलेश को तुरंत पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन गहरे घावों के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस कर रही छापेमारी: घटना की सूचना मिलते ही खुसरूपुर पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी मृतक का सगा बड़ा भाई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। फरार आरोपी शत्रुघ्न की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

बाढ़ में दोस्त के कमरे में युवक की संदिग्ध मौत

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नाथचक मोहल्ले में 35 वर्षीय पप्पू यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह दलिसमन चक गांव का निवासी था। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दोस्त के कमरे में मिला शव: जानकारी के अनुसार, जानकारी के अनुसार, पप्पू यादव बीती रात अपने दोस्त सत्येंद्र कुमार के किराए के कमरे पर आया था, जो नाथचक मोहल्ले में रहता है। सुबह जब पप्पू नहीं जागा तो सत्येंद्र ने उसे जगाने की कोशिश की। जब वह नहीं उठा तो सत्येंद्र ने उसके परिजनों को सूचना दी।

परिजनों ने जताया हत्या का शक: परिजनों के मौके पर पहुंचने पर पप्पू मृत पाया गया। परिजनों ने इस घटना को हत्या करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक के चचेरे भाई मंटू कुमार ने बताया कि पप्पू ने नौकरी दिलाने के नाम पर किसी व्यक्ति को करीब 10 लाख रुपए दिए थे, जिसके कारण हत्या की आशंका जताई जा रही है।

❑ सुबह नहीं जागा तो पुलिस को दी सूचना, परिजनों ने जताया हत्या का शक

पुलिस ने दोस्त को लिया हिरासत में: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सत्येंद्र कुमार को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। पप्पू यादव शादीशुदा था और खेती-बाड़ी का काम करता था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार: पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और विस्तृत जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

बिहार में सुबह-सुबह कई जेलों में एक साथ छापेमारी

एजेंसी, पटना

बिहार में नई सरकार के गठन के साथ ही शासन और प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। इसी कड़ी में पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रदेश के सभी जेलों में एक साथ सघन तलाशी अभियान (सर्च ऑपरेशन) चलाया गया। उत्तर बिहार की सबसे महत्वपूर्ण जेलों में शुमार मुजफ्फरपुर स्थित शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में शुक्रवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब जिले के आलाधिकारी भारी पुलिस बल के साथ छापेमारी करने पहुंचे।

तड़के 4:30 बजे शुरू हुआ ऑपरेशन: जेल में यह छापेमारी अहले सुबह करीब 4:30 बजे शुरू हुई। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन और वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में दर्जनों थानों की पुलिस और भारी संख्या में पुलिस लाइन के जवानों ने जेल परिसर को चारों तरफ से घेर लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से जेल प्रशासन और कैदियों के बीच हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने एक-एक कर जेल के सभी वार्डों की बारीकी से तलाशी ली।

मानसून से पहले सफाई व्यवस्था के लिए तय हुई जवाबदेही, 85 चिन्हित कचरा प्वॉइंट्स हुआ साफ

एजेंसी, पटना

पटना को गार्बेज वल्नरेबल प्वॉइंट्स (कचरा स्थलों) से मुक्त रखने, नाला उड़ाही के दौरान निकले सिल्ट का समय पर उठाव सुनिश्चित करने और निर्माण-विध्वंस के कचरे की प्रोसेसिंग के लिए नगर निगम ने अपने सभी 19 जोनों में जोनल निरीक्षकों को जवाबदेही की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत शहर के 85 चिन्हित कचरा प्वॉइंट्स को स्वच्छ किया गया है। पटना नगर निगम मानसून में जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम में लगी हुई है।

नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी जोनल निरीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे प्रतिदिन प्रत्येक वार्ड में एक मुख्य सड़क और उससे जुड़ी सड़कों को चिन्हित कर कचरे का शत-प्रतिशत उठाव सुनिश्चित करें। संबंधित स्थलों की GPS युक्त तस्वीरें ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड की जाए और रात्रिकालीन विशेष अभियान चलाकर निर्माण और विध्वंस सामग्री हटाने की कार्रवाई लगातार जारी रहे। इसके साथ ही, जोनल निरीक्षकों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि उनके क्षेत्र में कोई भी गार्बेज वल्नरेबल प्वॉइंट विकसित न हो।

निगम ने 85 कचरा प्वॉइंट्स को किया गया स्वच्छ: पटना नगर निगम द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत शहर के 85 चिन्हित कचरा प्वॉइंट्स की व्यापक साफ-सफाई कर उनका कायाकल्प किया गया है।

♦ 19 जोन में जोनल निरीक्षकों को जिम्मेदारी

पटना नगर निगम द्वारा डोर-टू-डोर सेवा के अंतर्गत आवासीय परिसरों से तथा रोड-टू-रोड सेवा के अंतर्गत गैर-आवासीय परिसरों से प्रतिदिन कचरा उठाव किया जाता है। इसके बावजूद कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा खुले प्लॉट, सड़क किनारे तथा खुले नालों में कचरा फेंक दिया जाता है, जिससे गंदगी फैलती है और नालों के जाम होने से जल निकासी बाधित होती है।

45 दिन में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी का होगा गठन

राजेश राम बोले- वन पर्सन, वन पोस्ट पर काम करेगी कांग्रेस, पेपरलेस होगी प्रक्रिया

एजेंसी, पटना

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी का गठन 45 दिन के अंदर होगा। कांग्रेस ने बिहार में पार्टी को मजबूत करने के लिए संगठन साथी अभियान की शुरुआत की है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, अब पार्टी से जुड़ने की प्रक्रिया पूरी तरह से पेपरलेस होगी। इस अभियान को पार्टी डिजिटली ड्राइव करेगी। इससे पहले जो भी अभियान चलते थे, वह पेपर और डॉक्यूमेंट पर चलते थे। इसका उद्देश्य बिहार कांग्रेस के लिए एक पारदर्शी और डिजिटल प्रणाली बनाना है, जो संगठन के पदों को सीधे जमीनी स्तर के कार्यकर्ता से जोड़ेगी। इसके लिए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी BPCC ऐप भी लॉन्च की गई है।

वन पर्सन, वन पोस्ट पर काम करेगी कांग्रेस: इस अभियान से जुड़ने के लिए पात्रता बताते हुए राजेश राम ने कहा कि आवेदक बिहार का मतदाता होना चाहिए, उसकी न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना चाहिए। आवेदक पार्टी की विचारधारा में विश्वास रखता हो और किसी अन्य दल का सदस्य ना हो। इसमें आवेदन करने के लिए लाइव फोटो अनिवार्य है।

प्रत्येक जिला अध्यक्ष को 2000 सृजन सारथी बनाने का लक्ष्य: अभी बिहार कांग्रेस में 53 नए जिलाध्यक्षों को नियुक्त किया है। प्रत्येक जिला अध्यक्ष को 2000 सृजन सारथी बनाने का लक्ष्य दिया गया है। वहीं, ब्लॉक अध्यक्ष को 200 का टारगेट दिया गया है, जिसे 15 मई तक पूरा करना है। सभी समुदाय के लोगों के लिए 40%, आरक्षित श्रेणियों के लिए 60%, ओबीसी के लिए 10 से 20%, ईबीसी के लिए 15 से 25%, अल्पसंख्यक और SC के लिए 10 से 20%, ST के लिए 0 से 5% है। वहीं, महिलाओं को 33% आरक्षण दिया जाएगा और एक पद विकलांग के लिए भी आरक्षित किया जाएगा।

45 दिन के अंदर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी का होगा गठन: राजेश राम ने यह भी जानकारी दी कि 45 दिन के अंदर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी का गठन होगा। इस संगठन सृजन सारथी अभियान के तहत ही इसका गठन किया जाएगा। पहले पिक एंड चूज के माध्यम से लोगों को पद दिए जाते थे। ऐसे में जो सच्चे और जमीनी कार्यकर्ता थे वह पीछे रह जाते थे। जो लोग सृजन सारथी बनेंगे वही लोग बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी में उपाध्यक्ष, सेक्रेटरी और जनरल सेक्रेटरी बनेंगे। इसमें उपाध्यक्ष के लिए 40 पद, महासचिव के लिए 80 पद और सचिव सेक्रेट्री के लिए 120 पद हैं।

ऊर्जा स्टेडियम पटना के पास युवक की मौत पर सस्पेंस

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में 15 अप्रैल को ऊर्जा स्टेडियम के पास नाले किनारे मिले युवक के शव मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक की पहचान दीघा कुर्जी बालू पर निवासी राजेश राय के रूप में हुई है। मामले में पत्नी ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस को अब तक हत्या के ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं।

मृतक की पत्नी अनीता कुमारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि उनके पति की साजिश के तहत हत्या की गई है। उन्होंने ससुर सुरेश गोप, देवर और उसके परिवार पर आरोप लगाते हुए कहा कि संपत्ति विवाद को लेकर राजेश को शास्त्री नगर बुलाकर मार डाला गया और शव नाले के पास फेंक दिया गया। अनीता का कहना है कि करीब 10 दिन पहले भी जमीन को लेकर मारपीट हुई थी और जबरन राजेश के हिस्से की जमीन अपने नाम लिखवाने का दबाव बना रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुर और देवर आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। मामले में एसडीपीओ-2 साकेत कुमार ने बताया कि, परिजनों के आवेदन के आधार पर जांच की जा रही है। मौके पर मौजूद चश्मदीदों ने पुलिस को बताया कि युवक खुद ई-रिक्शा चलाकर वहां आया और नाले के पास गिर गया, जिसके बाद वह नहीं उठा।

❑ पत्नी ने ससुर-देवर पर लगाया हत्या का आरोप, बोली-जमीन अपने नाम लिखवाने बनाया था दबाव

दक्षिण बिहार में 40 डिग्री के पार पहुंचा पारा

एजेंसी, पटना

बिहार में इन दिनों मौसम का मिजाज दोहरा मिजाज देखने को मिल रहा है। एक तरफ साउथ बिहार और दक्षिण-पश्चिमी जिलों में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। वहीं, दूसरी ओर सीमांचल में बारिश और वज्रपात के आसार बने हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 18 अप्रैल को अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। डेहरी सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी पटना में तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। एक दिन पहले के राजधानी का पारा 38.9 डिग्री था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बिहार में यह बदलाव अलग-अलग मौसम प्रणालियों की वजह से हो रहा है। उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर समुद्र तल से लगभग 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके साथ ही दक्षिण-पूर्वी राजस्थान से मणिपुर तक एक ट्रफ लाइन गुजर रही है, जो झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर जा रही है।

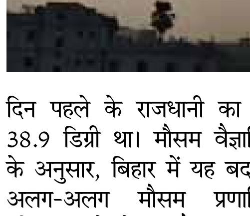

जदयू ऑफिस में प्रवक्ताओं के साथ बैठक कर रहे निशांत

एजेंसी, पटना

पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार आज शाम जदयू ऑफिस पहुंचें। यहां वे पार्टी प्रवक्ताओं के साथ बैठक कर रहे है। मीटिंग से पहले मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पार्टी की रणनीति पर लगातार काम कर रहा हूं। जदयू को मजबूत बनाना हमारी पहली प्राथमिकता है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार शुक्रवार दोपहर बेटे निशांत के साथ 7 सर्कुलर वाले नए बंगले का कामकाज देखने पहुंचे। वे जल्द इस बंगले में शिफ्ट होंगे। इधर दिल्ली में उन्हें टाइप-8 कैटेगरी का सरकारी बंगला मिला है। नीतीश कुमार को दिल्ली के सुनहरी बाग रोड स्थित बंगला नंबर-9 आवंटित किया गया है। नीतीश के आवाज से 150 मीटर की दूरी पर गृह मंत्री अमित शाह का और 100 मीटर की दूरी पर ही राहुल गांधी का भी आवास है।आपको बता दें कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन इसी इलाके में 8 नंबर बंगला में रहते हैं। नीतीश कुमार का बंगला करीब 3 एकड़ में फैला है। यह बंगला आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसके साथ ही यहां रहने वालों की सुरक्षा के बेहद पुख्ता इंतजाम हैं। इस तरह के घर आमतौर पर सीनियर केंद्रीय मंत्री, सुप्रीम कोर्ट के जज, पूर्व राष्ट्रपति को मिलते हैं।

टाइप 8 क्लास की खासियत: टाइप 8 बंगला करीब 3 एकड़ में फैला होता है। बड़ा लॉन रहता है, जिसमें VVIP टहल सकते हैं। बंगला में 5 बेडरूम, 1 लिविंग रूम, बड़ा डाइनिंग एरिया, स्टडी रूम और गैरेज मिलता है। सुरक्षा के बेहद हाई-क्लास इंतजाम होते हैं। गेट से लेकर लॉन, बगीचा, हॉल तक चप्पे-चप्पे की निगरानी 24 घंटे CCTV कैमरों की मदद से होती है। नीतीश पहले पटना स्थित एक अणे मार्ग (सीएम आवास) में रह रहे हैं। सीएम आवास 6 एकड़ में फैला है। दिल्ली वाला बंगला आकार में इससे आधा है।

किस तरह अलॉट होते हैं टाइप-8 बंगले?: लुटियंस दिल्ली में 3 हजार से अधिक सरकारी बंगले और फ्लैट हैं। इनमें से टाइप 8 बंगले 100 से अधिक हैं। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी टाइप-8 बंगले में रहते हैं।

टाइप-8 बंगलों का अलॉटमेंट केंद्र सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत सरकारी आवासों के अलॉटमेंट (दिल्ली में जनरल पूल) नियम, 1963 के अनुसार होता है। लोकसभा और राज्यसभा की हाउसिंग कमेटी सैलरी, सीनियारिटी और उपलब्धता के आधार पर इन बंगलों का अलॉटमेंट करती है। सांसदों, मंत्रियों और जजों को प्राथमिकता दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

बखरी भाजपा कार्यालय में जश्न, सम्राट चौधरी के सीएम बनने पर उत्सव

बीएनएम @ मोतिहारी। चिरैया विधानसभा क्षेत्र के पताही प्रखंड अंतर्गत बखरी स्थित भाजपा कार्यालय में बिहार के मुख्यमंत्री पद पर सम्राट चौधरी के मनोनीत होने पर भव्य उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व चिरैया विधायक लालबाबु प्रसाद गुप्ता ने किया, जिसमें एनडीए कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और पूरे परिसर में जश्न का माहौल बना रहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के तैलचित्र का वितरण भी किया गया। "भारत माता की जय" और "सम्राट चौधरी जिंदाबाद" के नारों से वातावरण गूंज उठा। भाजपा प्रखंड अध्यक्ष टुनटुन सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी एवं बिजेंद्र यादव को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। कार्यकर्ताओं ने बिहार के विकास और समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की। इस मौके पर लालबाबु सिंह, ध्रुवलाल मांझी, सुनील कुमार, कृष्णमोहन सिंह, निखिल कुमार, बालेश्वर बैठा, पप्पू पासवान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन में कार्यकर्ताओं का उत्साह और संगठन की एकजुटता साफ तौर पर देखने को मिली।

जनता के दरबार में 39 मामलों की सुनवाई, त्वरित समाधान के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी। नगर स्थित समाहरणालय के डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित 'जनता के दरबार में जिला प्रशासन' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को विभिन्न अंचलों से आए 39 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देशानुसार वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार एवं निधि कुमारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने मामलों का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त आवेदनों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार ने स्पष्ट किया कि सभी शिकायतों का संबंधित विभागों के माध्यम से विधिसम्मत एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दरबार में मुख्यतः भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद तथा राजस्व विभाग से जुड़े मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इन सभी प्रकरणों के शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ अग्रसारित करने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जिला प्रशासन ने पुनः दोहराया कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

120 लीटर चुलाई शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। बीजधरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शराब माफिया को भारी मात्रा में देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सुंदरापुर इलाके में छापेमारी के दौरान ढेकहां निवासी राजा पासवान, उम्र करीब 21 वर्ष, पिता नारद पासवान को एक बड़े सूती बोरे में रखे 120 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ पकड़ा गया। बरामद शराब 12 पॉकेट में थी, जिसमें प्रत्येक पॉकेट में 10 लीटर शराब भरी हुई थी। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है।

नहाने के दौरान किशोरी की डूबकर मौत, गांव में मातम

बीएनएम @ पताही। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पचपकड़ी थाना क्षेत्र के देवापुर पंचायत के खोरीपाकर गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। नहाने के दौरान एक किशोरी की डूबने से मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतका की पहचान खोरीपाकर गांव निवासी रामनाथ पासवान की पुत्री खुशी कुमारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि खुशी कुमारी घर के पास पानी में नहाने गई थी, इसी दौरान गहरे पानी में जाने से वह डूब गई। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकली तो परिजनों को आशंका हुई और खोजबीन शुरू की गई। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पचपकड़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पचपकड़ी थानाध्यक्ष उत्तम कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

भारत-नेपाल सीमा पर डीजल तस्करी का बड़ा खुलासा

भारत-नेपाल सीमा पर फैलता तस्करी का जालः डीजल के अवैध कारोबार ने उजागर की संगठित नेटवर्क की भयावह सच्चाई

सागर सूरज

मोतिहारी/ घोड़ासाहन। भारत-नेपाल सीमा से सटे इलाकों में डीजल तस्करी का धंधा अब सिर्फ छोटे स्तर का अपराध नहीं रह गया है, बल्कि यह एक संगठित और खतरनाक नेटवर्क का रूप ले चुका है।

पूर्वी चंपारण के झरौखर थाना क्षेत्र में हुई हालिया पुलिस कार्रवाई ने इस काले कारोबार की गहराई और भयावहता को उजागर कर दिया है।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पीठवा बॉर्डर स्थित सैनिक रोड पर घेराबंदी कर एक बोलेरो पिकअप (छोटा टैंकर) को जब्त किया,

जिसका उपयोग अवैध रूप से डीजल की सप्लाई के लिए किया जा रहा था। वाहन से कमलेश प्रसाद (28) को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक नेपाली सहयोगी मौके से गैलन लेकर सीमा पार भागने में सफल रहा।

पूछताछ के दौरान जो तथ्य सामने आए, वे बेहद चिंताजनक हैं। आरोपी ने कबूल किया कि यह तस्करी कोई एक व्यक्ति का काम नहीं, बल्कि पेट्रोल पंप मालिकों की मिलीभगत से चलने वाला एक संगठित नेटवर्क है। स्थानीय स्तर पर संतोष कुमार और श्याम सुन्दर जैसे लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जो इस अवैध कारोबार में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, जब्त वाहन के जरिए करीब 150 लीटर डीजल की बिक्री की जा रही थी।

यह सिर्फ एक खेप नहीं, बल्कि रोजाना चलने वाले अवैध व्यापार का हिस्सा है, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है। साथ ही, इससे सीमा सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

तलाशी के दौरान एक फर्जी नॉन-जुडिशियल स्टाम्प पेपर भी बरामद हुआ, जिस पर एक निजी कंपनी के नाम का इस्तेमाल कर इस अवैध कारोबार को वैध दिखाने की कोशिश की जा रही थी। संबंधित अधिकारियों ने साफ किया कि इस तरह की किसी भी गतिविधि के लिए कोई आधिकारिक लाइसेंस जारी नहीं किया गया है।

यह घटना साफ संकेत देती है कि भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है,

जिसमें स्थानीय स्तर से लेकर बड़े स्तर तक कई लोग शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने वाहन जब्त कर आगे की जांच तेज कर दी है, लेकिन यह जरूरी है कि इस पूरे नेटवर्क की जड़ तक पहुंचकर इसे पूरी तरह समाप्त किया जाए, ताकि सीमा क्षेत्र में कानून का राज कायम रह सके।

"तलाश बापू की पदचिन्हों की" : चंपारण की ऐतिहासिक विरासत को संजोने का प्रयास

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार से मुलाकात के दौरान पंकज कुमार श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त प्रबंधक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक एवं जेवियर समाज सेवा संस्थान, रांची) ने अपनी आगामी पुस्तक "तलाश बापू की पदचिन्हों की" के संदर्भ में चंपारण के ऐतिहासिक स्थलों पर किए जा रहे शोध और भ्रमण की जानकारी साझा की। इस दौरान श्री श्रीवास्तव ने 71वीं वाहिनी परिसर का भ्रमण कर महात्मा गांधी से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों को करीब से जाना। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य चंपारण के उन स्थलों और घटनाओं को फिर से जीवंत करना है, जो गांधीजी के संघर्ष और सत्याग्रह से गहराई से जुड़े रहे हैं। पूर्वी चंपारण का पिपराकोठी क्षेत्र ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में नील की खेती के लिए जाना जाता था, जहां अंग्रेजी नीतियों के कारण किसानों पर भारी आर्थिक और सामाजिक दबाव था। 'मिस्टर रीड' जैसे नील प्लांटरों की नीतियों ने किसानों को मजबूरन नील की खेती करने पर विवश किया। यही हालात आगे चलकर चंपारण सत्याग्रह का कारण बने, जिसका नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया और किसानों को बड़ी राहत मिली। अपने भ्रमण के क्रम में श्री श्रीवास्तव ने तुरकौलिया, बापूधाम रेलवे स्टेशन, गांधी संग्रहालय, मधुबन कोठी और राजपुर कोठी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर आज भी गांधीजी के संघर्ष की गूंज महसूस की जा सकती है। इस अवसर पर कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि चंपारण की इस ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करना और नई पीढ़ी को इसके प्रति जागरूक बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने श्री श्रीवास्तव के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पीएम सूर्यघर योजना को गति देने के लिए सोलर मेला, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। विद्युत आपूर्ति अंचल, मोतिहारी के सभा भवन में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा शुक्रवार को दीप प्रज्वलित कर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से संबंधित कार्यक्रम एवं सोलर मेला का विधिवत उद्घाटन किया गया। उक्त उद्घाटन के बाद जिलाधिकारी श्री जोरवाल की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई, जिसमें जिले के सभी बैंकों के प्रबंधक, नोडल अधिकारी, पीएम सोलर योजना के पंजीकृत वेंडर्स तथा विद्युत विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई और इसके क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस दौरान विद्युत विभाग के अधिकारी ईएसई, ईईई मोतिहारी, रक्सौल एवं चकिया भी उपस्थित रहे। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने विद्युत आपूर्ति अंचल में आयोजित सोलर मेला का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर वेंडर्स एवं अधिकारियों से सोलर संयंत्र के लाभों की जानकारी ली और उपस्थित उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर उनका फीडबैक प्राप्त किया। बैठक में विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं की समस्याओं पर ध्यान दिया गया, जो बैंक ऋण के माध्यम से योजना का लाभ लेना चाहते हैं। जिलाधिकारी ने बैंकों को ऋण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक लोग योजना से जुड़ सकें। साथ ही, विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि 125 यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं की सूची तैयार कर उन्हें योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए। अंत में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

जनगणना-2027 को सफल बनाने हेतु स्व-गणना पर जोर, 17 अप्रैल से 1 मई तक भर सकेंगे जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत की जनगणना-2027 को "जन कल्याण की आधारशिला" बताते हुए प्रधान जनगणना पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वे स्थानीय समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सभागार में आयोजित जिला स्तरीय पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। उक्त बैठक में उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत स्व-गणना प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करना आवश्यक है। इसके लिए सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिक 17 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 तक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुलभ बनेगी।जिलाधिकारी ने कहा कि स्व-गणना के सफल संचालन के लिए आम लोगों में जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में सभी विभागों को प्रचार-प्रसार अभियान चलाने तथा लोगों को इसके लाभ और प्रक्रिया की जानकारी देने का निर्देश दिया गया। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया गया।बैठक में तकनीकी अवसंरचना को मजबूत करने और नामित कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया। प्रशिक्षण में डिजिटल उपकरणों के उपयोग, डेटा प्रविष्टि प्रक्रिया और संभावित समस्याओं के समाधान की जानकारी दी जा रही है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को नियमित समीक्षा करने और किसी भी बाधा के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसमें सभी कर्मियों से पूर्ण समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। इस कार्य में मास्टर ट्रेनर, स्टेट लेवल ट्रेनर, जिला स्तरीय ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर, प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का सहयोग लिया जाएगा। बैठक में जिला जनगणना पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता (राजस्व) मुकेश कुमार सिन्हा ने शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जीविका दीदियों के शत-प्रतिशत स्व-गणना पंजीकरण पर जोर दिया। वहीं, जिला नोडल पदाधिकारी सह जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि निदेशालय के निर्देशानुसार जनगणना-2027 को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाएगा। अपर समाहर्ता (जिला लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती ने कहा कि जनगणना के दूरगामी परिणाम देशहित में सहायक होते हैं और इससे जनसुविधाओं की योजना बनाने में मदद मिलती है। बैठक में वरीय उप समाहर्ता (स्थापना) प्रेमलता कुमारी, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरि, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा अभियान) प्रह्लाद गुप्ता, कुमार नित्यम गौरव, जनगणना निदेशालय बिहार के पर्यवेक्षक प्रेमजीत सिन्हा, राजीव कुमार सिंह, आदित्य कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दहेज हत्या मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ इश्तिहार तामिला

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बीजधरी थाना कांड संख्या 91/25 से जुड़े दहेज हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नामजद पांच अभियुक्तों के खिलाफ इश्तिहार तामिला कराया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में आरोपी रीता देवी पति विनोद शाह, अशोक साह, सुबोध कुमार, विनोद शाह पिता स्वर्गीय बैजू शाह और गुड़िया कुमारी पिता विनोद शाह, सभी निवासी बीजधरी बथना थाना बीजधरी जिला पूर्वी चंपारण के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर विधिवत इश्तिहार चस्पा किया गया। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि सभी आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे हैं। इश्तिहार के माध्यम से उन्हें शीघ्र न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करने पर कुर्की-जब्ती सहित आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोतिहारीः मिड-डे मील में कीड़ा मिलने से मचा हड़कंप, विद्यालय में अभिभावकों का जोरदार हंगामा

बीएनएम @अरेराज

अरेराज प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, जनेरवा में शुक्रवार को मिड-डे मील भोजन में कीड़ा मिलने की घटना सामने आने के बाद विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। बच्चों को परोसे गए भोजन में कीड़ा दिखते ही विद्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक एवं ग्रामीण विद्यालय पहुंच गए और स्कूल प्रशासन तथा भोजन उपलब्ध कराने वाली संस्था के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक और भोजन सप्लाई करने वाली संस्था की लापरवाही के कारण बच्चों को निम्न गुणवत्ता एवं दूषित भोजन परोसा जा रहा है। लोगों का कहना था कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हंगामे की सूचना पर अरेराज नगर पंचायत के मुख्य पार्षद रण्टू पांडेय एवं वार्ड पार्षद प्रतिनिधि झुना पांडेय विद्यालय पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मुख्य पार्षद ने घटना पर नाराजगी जताते हुए इसे गंभीर लापरवाही बताया तथा तत्काल अनुमंडल प्रशासन को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी दल-बल के साथ विद्यालय पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने विद्यालय में उपलब्ध भोजन सामग्री की जांच की तथा ग्रामीणों एवं अभिभावकों से पूरे मामले की जानकारी ली। साथ ही मिड-डे मील स्टॉक एवं संबंधित संस्था के अभिलेखों की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। लोगों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई, भोजन व्यवस्था की जांच तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की मांग की है। विद्यालय परिसर में देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। प्रशासन ने मामले में उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह के खिलाफ सख्त संदेश, अरेराज में शपथ व जागरूकता अभियान आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिले के अरेराज प्रखंड मुख्यालय एवं मुरा पंचायत में व्यापक जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम शुक्रवार को आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य जिले को बाल विवाह मुक्त बनाना रहा। प्रखंड मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी श आदित्य नारायण दीक्षित ने की। इस दौरान प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के सभी कर्मियों ने बाल विवाह रोकने तथा समाज को जागरूक करने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम में जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन की जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी, जेंडर विशेषज्ञ निर्भय कुमार, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ रितेश कुमार तथा ग्राम नियोजन केंद्र के प्रोग्राम मैनेजर सत्येंद्र कुमार ने तकनीकी एवं सामाजिक पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। वहीं मुखिया संघ अध्यक्ष संजय कुमार दुबे एवं मिश्रौलिया के मुखिया देश बंधु सिंह ने पंचायत स्तर पर इस कुप्रथा के खिलाफ मजबूती से संघर्ष करने का संकल्प दोहराया।प्रशासनिक कार्यक्रम के बाद मुरा पंचायत के चंडी स्थान गांव में महिला चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करते हुए उन्हें अक्षय तृतीया के दिन होने वाले बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। बताया गया कि कम उम्र में विवाह बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। महिलाओं से अपील की गई कि वे अपने आसपास होने वाले किसी भी बाल विवाह की सूचना तुरंत प्रशासन या संबंधित जनप्रतिनिधि को दें। साथ ही बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत दंड एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी सरल भाषा में दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया और अपने गांव को बाल विवाह मुक्त बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

तुरकौलिया में भीषण सड़क हादसाः दो बाइकों की टक्कर में 5 घायल, एक की हालत गंभीर

बीएनएम @ तुरकौलिया। छपवा–तुरकौलिया मार्ग पर बिजुलपुर कौवाहा पुल के समीप शुक्रवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। हादसे में दो बच्चे भी शामिल थे, जिन्हें आंशिक चोटें आई हैं। घायलों में एक टिकुलिया का निवासी बताया जा रहा है, जबकि अन्य चार पहाड़पुर थाना क्षेत्र के हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया। घायलों की पहचान पहाड़पुर निवासी यदवंशी पासवान के 28 वर्षीय पुत्र राजन कुमार, तथा टिकुलिया-बिजुलपुर के साहिल कुमार और मोहित कुमार के रूप में हुई है। अन्य घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। सीएचसी प्रभारी डॉ. अर्जुन गुप्ता ने बताया कि सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी रेफर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक की हालत काफी गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

तुरकौलिया में ग्रामीणों की सतर्कता से पशु तस्करी विफल, दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया। क्षेत्र में ग्रामीणों की सक्रियता से पशु तस्करी की एक कोशिश नाकाम कर दी गई। ग्रामीणों ने एक पिकअप वाहन से मवेशियों को तस्करी के लिए ले जा रहे दो तस्करों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वाहन से तीन मवेशी भी जब्त किए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान शंकर सरैया मुंशी इनार निवासी मोहम्मद नजिद (पिकअप चालक) और माधोपुर मधुमालत निवासी शेख नासिर के रूप में हुई है। मामले में रघुनाथपुर निवासी मासूम कुमार के बयान पर एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि उन्हें तुरकौलिया बाजार में सूचना मिली थी कि एक पिकअप से मवेशियों की तस्करी की जा रही है। इसके बाद वे अपने सहयोगियों के साथ परशुरामपुर चौक पहुंचे, जहां संदिग्ध पिकअप को रोककर जांच की गई। वाहन पर तीन मवेशी लदे मिले, जिन्हें तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पिकअप, मवेशियों और दोनों तस्करों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पैनिक बुकिंग की जरूरत नहींः डीएम

बीएनएम @ पटनाः जिला प्रशासन ने एलपीजी गैस की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए उपभोक्ताओं की सुविधा और कालाबाजारी पर रोक लगाने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक के बाद स्पष्ट किया कि जिले में गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, जिले की 136 सक्रिय गैस एजेंसियों के पास 16 लाख 65 हजार से अधिक उपभोक्ता पंजीकृत हैं, जिनमें से 16 लाख से ज्यादा बुकिंग का निष्पादन सफलतापूर्वक किया जा चुका है। प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे पैनिक बुकिंग (घबराहट में बुकिंग) न करें और गैस एजेंसियों पर भीड़ लगाने के बजाय घर बैठे ही बुकिंग की सुविधा का लाभ उठाएं।नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ डीएम ने सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि गैस की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, निर्धारित मूल्य से अधिक की वसूली या घरेलू गैस के व्यावसायिक इस्तेमाल की सूचना मिलते ही संबंधित पक्षों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए कंट्रोल रूम को सक्रिय कर दिया गया है और किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन नंबर 0612-2219810 जारी किया गया है। साथ ही, प्रशासन अब पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन के विस्तार को भी मिशन मोड में आगे बढ़ाने पर जोर दे रहा है ताकि भविष्य में ईंधन की उपलब्धता और सुगम हो सके।

जेल में औचक निरीक्षण,सुरक्षा चाक-चौबंद

बीएनएम @ बगहाः बगहा उपकारा (जेल) में शुक्रवार तड़के प्रशासनिक टीम की अचानक छापेमारी से जेल परिसर में हड़कंप मच गया। इस औचक निरीक्षण का नेतृत्व संयुक्त रूप से एसपी निर्मला कुमारी और एसडीएम चांदनी कुमारी ने किया। भोर के समय हुई इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य जेल की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना और कारा नियमों के पालन की पुष्टि करना था।निरीक्षण के दौरान टीम ने विभिन्न वार्डों, बंदियों के निगरानी तंत्र, प्रवेश द्वारों और सुरक्षा उपकरणों की सघन जांच की। हालांकि, इस सघन तलाशी के बावजूद जेल के भीतर से किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई, जिसे प्रशासन के लिए संतोषजनक माना जा रहा है। एसपी निर्मला कुमारी ने बताया कि यह नियमित विभागीय प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कारा प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखने के कड़े निर्देश दिए। इस संयुक्त टीम में एसडीपीओ कुमार देवेंद्र, कारा अधीक्षक मनोज कुमार सहित कई थानों की पुलिस बल मौजूद रही।

डीएसपी ने कोर्ट में स्वीकारी गलती, दी माफी की गुहार

बीएनएम @बगहाः बिहार के बगहा पुलिस जिला अंतर्गत रामनगर थाना के मालखाना प्रभार से जुड़े एक गंभीर मामले में, मुजफ्फरपुर में तैनात डीएसपी अनंत राम को गुरुवार को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेन्द्र मिश्र की अदालत में पेश होना पड़ा। यह मामला वर्ष 2023 के कांड संख्या 387/2023 से संबंधित है, जब अनंत राम रामनगर के थानाध्यक्ष थे। उस दौरान उन्होंने एक मोबाइल फोन जब्त किया था, जिसे न्यायालय द्वारा रिहा करने के आदेश के बावजूद मालखाना का प्रभार न सौंपे जाने के कारण अभियुक्त रजि अहमद को वापस नहीं मिल पा रहा था।न्यायालय ने इस विलंब को न्यायिक प्रक्रिया में बाधा मानते हुए कड़ा रुख अपनाया और पूर्व में प्राथमिकी दर्ज करने का भी निर्देश दिया था। कानूनी दबाव के बीच, डीएसपी ने सुनवाई से पहले वर्तमान थानाध्यक्ष दीपक कुमार को मालखाना का प्रभार सौंपा और फिर अदालत में सशरीर उपस्थित हुए। उन्होंने अपनी चूक स्वीकार करते हुए लिखित रूप में माफी मांगी और भविष्य में ऐसी लापरवाही न बरतने का भरोसा दिया। इस प्रकरण ने पुलिस अधिकारियों द्वारा स्थानांतरण के समय कार्यभार सौंपने में बरती जाने वाली शिथिलता और उसके कारण आम जनता को होने वाली न्यायिक कठिनाइयों को उजागर किया है।

खुटौना सरेह में फसल विवाद बना खूनी संघर्ष, किसान की नाक काटी, दो घायल

बीएनएम @ पताही

पताही। थाना क्षेत्र के खुटौना सरेह में शुक्रवार सुबह गेहूं की फसल को लेकर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक किसान की धारदार हथियार से नाक काट दी गई, जबकि बीच-बचाव करने आए दो अन्य किसान गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, किसान बिजली सिंह अपने परिजनों के साथ खेत में कटी हुई फसल देखने पहुंचे थे। इसी दौरान गांव के ही सुनील कुमार सिंह अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और कथित रूप से जबरन फसल उठाने लगे। विरोध करने पर हमलावरों ने फरसा और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में बिजली सिंह गंभीर रूप से जख्मी हो गए और उनकी नाक कट गई। वहीं सुशील सिंह और धर्मेंद्र सिंह, जो बीच-बचाव करने पहुंचे थे, उन्हें भी बेरहमी से पीटा गया। सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से बिजली सिंह की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर किया गया है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि घटना जमीन और फसल विवाद से जुड़ी है। पीड़ित किसान के पुत्र विकेश कुमार सिंह ने थाने में आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद खुटौना गांव और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। किसानों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है और लोग प्रशासन से तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

40 लीटर चुलाई शराब बरामद, 4 गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस ने सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान भादा गांव से करीब 40 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। हालांकि कार्रवाई के दौरान मुख्य कारोबारी मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भादा इलाके में अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की, लेकिन पुलिस के पहुंचते ही आरोपी फरार हो गया। उसके ठिकाने से भारी मात्रा में चुलाई शराब जब्त की गई है। पुलिस ने फरार आरोपी की पहचान कर ली है और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, अभियान के दौरान पुराने शराब मामलों में फरार चल रहे चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में जैल मुरारपुर के नमी महतो और राकेश महतो, भादा पासी टोला के विनोद चौधरी तथा चैनपुर गांव के मुना राम शामिल हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर शराब कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

रामगढ़वा में आशा कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा, मानदेय भुगतान को लेकर पीएचसी पर धरना

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में शुक्रवार को आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। आशा संघ के राज्यव्यापी आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य विभाग और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरने का मुख्य कारण पिछले आठ महीनों से मानदेय का भुगतान नहीं होना बताया गया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि लगातार काम करने के बावजूद भुगतान नहीं मिलने से उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। संघ की अध्यक्ष रिंकू सिंह ने कहा कि आशा कार्यकर्ता दिन-रात स्वास्थ्य सेवाओं में अहम भूमिका निभाती हैं, लेकिन सरकार उनके हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया गया और मांगों पर विचार नहीं हुआ, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने मानदेय के स्थान पर निश्चित मासिक वेतन लागू करने, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन की सुविधा देने और लंबित भुगतान को जल्द जारी करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने इसे सरकार के लिए सीधी चेतावनी बताया। धरना स्थल पर रीता मिश्रा, अनीता देवी, कांति देवी, शांति देवी, अर्चना देवी, संगीता देवी सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

रामगढ़वा लूट कांड का 24 घंटे में खुलासाः प्रेमी का दोस्त निकला मास्टरमाइंड, 4 गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। थाना पुलिस ने लूट की सनसनीखेज वारदात का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि इस पूरी वारदात का मास्टरमाइंड युवती के प्रेमी का दोस्त ही निकला। रक्सौल एसडीपीओ मनीष आनंद ने बताया कि 10 अप्रैल की रात मुरला गांव की एक युवती अपने प्रेमी कृष कुमार और उसके मित्र नेहाल के साथ घर से निकली थी। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने चाकू के बल पर युवती से सोने-चांदी के जेवरात और मोबाइल लूट लिए। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि लूट की यह वारदात पूर्व नियोजित थी और प्रेमी का दोस्त नेहाल ही इसका मुख्य साजिशकर्ता था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर लूटे गए सभी जेवरात और मोबाइल बरामद कर लिए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इनामुल्लाह, अरशद, रंजन और मुख्य आरोपी कृष कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि कृष कुमार पूर्व में पॉक्सो एक्ट के एक मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई में थाना पुलिस के अन्य जवान भी शामिल रहे।

बीरगंज में एमआरपी लागू करने की चुनौतियों पर मंथन, 'समृद्ध मधेश' पुस्तक का विमोचन

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

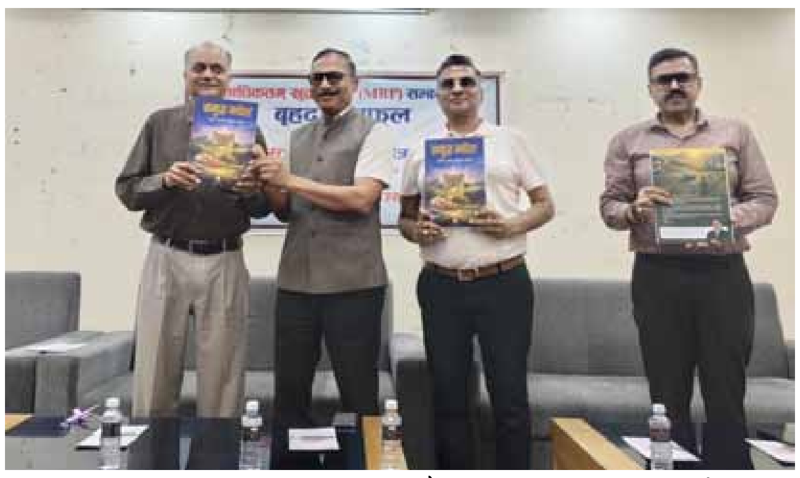

रक्सौल/बीरगंज। वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के सभागार में शुक्रवार को अधिकतम खुदरा मूल्य के कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा के साथ 'समृद्ध मधेश' पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष हरि गौतम ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ मधेश प्रदेश के निवर्तमान अध्यक्ष अशोक टेमानी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष माधव राजपाल, निवर्तमान अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। पर्सा जिले के विभिन्न कारोबार से जुड़े आयातकर्ताओं ने चर्चा में सक्रिय भागीदारी की। व्यवसायियों ने नेपाल सरकार द्वारा जारी एमआरपी संबंधी निर्देश को 15 दिनों के भीतर लागू करना व्यवहारिक रूप से कठिन बताया। मुख्य अतिथि अशोक टेमानी ने कहा कि एमआरपी का उद्देश्य उपभोक्ता हितों की रक्षा करना है, लेकिन इसके सफल क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त तैयारी, व्यवसायियों के साथ समन्वय और व्यावहारिक समयसीमा जरूरी है। उन्होंने सरकार से अपील की कि नीति निर्माण के दौरान बाजार की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखा जाए। वहीं, वरिष्ठ उपाध्यक्ष माधव राजपाल ने कम समयसीमा को लेकर व्यापारियों में उत्पन्न भ्रम की स्थिति का जिक्र करते हुए सरकार और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर संवाद और समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर समृद्ध मधेश पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसे अशोक कुमार टेमानी ने लिखा है। पुस्तक में मधेश प्रदेश के समग्र विकास, निवेश की संभावनाओं और नीतिगत दिशा का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। इससे पूर्व इस पुस्तक का विमोचन जनकपुर में भी किया जा चुका है। कार्यक्रम का संचालन संघ के प्रशासकीय अधिकारी मनोज उपाध्याय ने किया। अंत में सहभागीगणों ने एमआरपी नीति को प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच सहयोग और समन्वय पर जोर दिया।

आरक्षण में पिछड़ी महिलाओं की अनदेखी कर रही सरकारः तेजस्वी यादव

बीएनएम @ पटना

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दिल्ली से पटना लौटते ही महिला आरक्षण और बिहार की नई सरकार पर तीखा हमला बोला है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को परिसीमन से जोड़ने पर गंभीर आपत्ति जताते हुए इसे केंद्र सरकार की एक सोची-समझी रणनीति करार दिया। तेजस्वी ने तर्क दिया कि जब आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, तो इसे लागू करने के लिए 2034 तक की लंबी समयसीमा तय करना महिला शक्ति के साथ छलावा है। उन्होंने अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि आरक्षण का दायरा 50 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए और इसमें पिछड़े वर्ग की महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।राज्य की राजनीति पर प्रहार करते हुए तेजस्वी यादव ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बहाने नई सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी का राजनीतिक सफर विभिन्न दलों से होकर गुजरा है। सबसे बड़ा हमला मुख्यमंत्री के पद पर करते हुए तेजस्वी ने कहा कि बिहार में अब "निर्वाचित" के बजाय "चयनित" मुख्यमंत्री का शासन है। उन्होंने दावा किया कि अब सत्ता की डोर बिहार के हाथ में न रहकर गुजरात से नियंत्रित होगी। तेजस्वी के इन तीखे बयानों ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है और आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष की ओर से कड़े पलटवार की संभावना बढ़ गई है।

शौच के लिए गई नाबालिग का अपहरण

बीएनएम @ बगहा

» रामनगर पुलिस पर लापरवाही का आरोप

बगहा : बगहा पुलिस जिला के रामनगर थाना क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ एक माँ ने अपनी नाबालिग बेटी के अपहरण और पुलिस की निष्क्रियता को लेकर न्याय की गुहार लगाई है। रीमा देवी नामक महिला ने एसपी निर्मला कुमारी को सौंपे गए आवेदन में स्थानीय पुलिस पर लापरवाही और भेदभाव का गंभीर आरोप लगाया है।पीड़िता के अनुसार, यह विवाद पुराना है। उन्होंने पहले भी सोनू तिवारी और कमलेश साह सहित अन्य के खिलाफ जातिसूचक गाली-गलौज और धमकी देने का मामला (कांड संख्या 206/26) दर्ज कराया था। आरोप है कि जब रीमा देवी ने केस वापस लेने से इनकार कर दिया, तो 15 अप्रैल 2026 की रात करीब 8 बजे उनकी 17 वर्षीय पुत्री प्रतिमा कुमारी का उस समय अपहरण कर लिया गया जब वह शौच के लिए गई थी।घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी रामनगर थाना द्वारा कोई ठोस कदम न उठाए जाने से व्यथित होकर पीड़िता ने एसपी से अपनी पुत्री की सुरक्षित बरामदगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। इस घटना ने स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

पलनावा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः हत्या प्रयास का आरोपी समेत 4 गिरफ्तार, 89.7 लीटर नेपाली शराब बरामद

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। पलनावा थाना पुलिस ने शुक्रवार को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर सौनाहा गांव में छापेमारी कर शराब तस्करी के आरोप में अमरेश यादव, बलिराम यादव और हजारी यादव को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान तीनों के पास से कुल 89.7 लीटर नेपाली कस्तूरी देशी शराब बरामद हुई। इस मामले में थाना कांड संख्या 90/2026 दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे जगधर निवासी लालबहादुर यादव को भी गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ थाना कांड संख्या 224/2025 दर्ज है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूरी कार्रवाई में पीएसआई रूपम कुमारी सहित अन्य पुलिस बल के जवान शामिल थे। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आखिरकार जनता पर ही बोझ

पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क में कटौती से सरकारी खजाने को 2026-27 में 1.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। उसकी भरपाई केंद्र कहां से करेगा? सीधा गणित है कि वह बाजार से अधिक कर्ज लेगा, जिसका बोझ आखिरकार जनता पर ही आएगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सत्ता होने के दौर में अपनी तिजोरी भरने वाली कंपनियों को राहत देने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने उत्पाद शुल्क में भारी कटौती की है। इस कारण सरकारी खजाने को 2026-27 में 1.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचेगा। पिछले वर्ष सरकार ने आय कर और जीएसटी दरों में कटौती की। उससे भी उसे राजस्व का नुकसान हुआ। इन सबकी भरपाई केंद्र उसकी कहां से करेगा? सीधा गणित है कि वह बाजार से अधिक कर्ज लेगा। 2026-27 के केंद्रीय बजट में 16.09 लाख करोड़ रुपये का ऋण लेने का प्रावधान है। लेकिन अब बताया गया है कि उसका 51 फीसदी यानी 8.2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज वित्त वर्ष की पहली छमाही में ही ले लिया जाएगा।

मौजूदा वित्तीय हालात को देखते हुए अनुमान है कि दूसरी छमाही कम-से-कम इतना और ऋण लिया जाएगा- यानी बजट में तय सीमा टूट सकती है। बाजार से ऋण का स्रोत अधिकांशतः ऋण का कारोबार करने वाली वित्तीय कंपनियां होती हैं। सरकारें जितना अधिक कर्ज लेती हैं, उनके बॉन्ड पर ब्याज दर उतनी बढ़ती चली जाती है। फिलहाल, भारत सरकार के दस साल के बॉन्ड की ब्याज दर 6.92 प्रतिशत है, जो हाल के किसी समय से ऊंची है। मतलब यह कि अभी के कर्ज पर सरकार की दीर्घकालिक देनदारी खासी ऊंची होगी। इस कारण हर साल कर्ज एवं ब्याज चुकाने का अधिक दबाव सरकार के बजट पर होगा। अगर सरकार की आमदनी दूसरे स्रोतों से नहीं बढ़ेगी, तो जाहिर है, उपरोक्त देनदारी विकास एवं जन-कल्याण के खर्चों में कटौती कर पूरी की जाएगी। गौरतलब है कि परोक्ष करों के जरिए राजस्व जुटाने की गुंजाइश अब बेहद सीमित हो चुकी है। विनिवेश से पैसा जुटाने की संभावनाएं भी अब सीमित ही हैं। उस स्थिति में केंद्र के पास आमदनी बढ़ाने का एकमात्र जरिया धनी लोगों पर अधिक कर्ज लगाने का बचा है। लेकिन कॉरपोरेट्स का मुनाफा बढ़ाने की प्राथमिकता वाली वर्तमान सरकार के लिए यह सोचना भी कठिन है। इसलिए उत्पाद कर घटने का अर्थ दीर्घकाल में आम जन पर दबाव बढ़ना होगा। यही आज का गणित और हकीकत है।

सघर्ष ही जीवन है और जीवन में शान्ति की आवश्यकता

संजय गोस्वामी

जीवन में रोग से घबराना नहीं चाहिए कल क्या होगा ऐ सिर्फ और सिर्फ भगवान राम जानता है इसलिए स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना और खुश रहने के लिए भगवान राम का ध्यान करने से रोग स्वतः ठीक होगा आपको लगा शुगर ज्यादा हो गया और कुछ हो जाएगा तो ऐ सोचने से मानसिक दबाब पड़ता है यह एक प्राचीन प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है, लेकिन हाल के वर्षों में शोधकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों का अध्ययन करने के कारण इसमें फिर से रुचि पैदा हुई है। कई अध्ययनों ने ध्यान के अनेक लाभों को स्थापित किया है, जिनमें पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में इसका उपयोग भी शामिल है ध्यान का उद्देश्य मन को शांत करना है, इसलिए यह मान लेना स्वाभाविक हो सकता है कि यह अभ्यास अवसाद और चिंता के लक्षणों कोकम करने में मदद कर सकता है।हालांकि यह हर समस्या का अचूक इलाज नहीं है, लेकिन इन मानसिक बीमारियों से पीड़ित कई लोगों को ध्यान करने से कुछ राहत मिलती है । और इसके लाभों को प्रमाणित करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण भी मौजूद हैं।

एक मेटा-विश्लेषण में पाया गया कि आठ सप्ताह की अवधि के दौरान किए जाने वाले ध्यान कार्यक्रम अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकते हैं। इसमें सबसे उत्तम है भगवान राम का ध्यान जिससे आपके अंदर भगवान राम के कर्म की क्रिया को करने की उत्सुकता होगी और जिस दिन भगवान राम के ध्यान में एक चिंगारी भी आ गई तो समझ लेना आपका जीवन बदल गया और डर ख़त्म होगा आप नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और शान्ति आपके कदम चूमेंगी और भगवान राम आपको सहायता करेंगे और हमेशा खुश रहेंगे भगवान राम नाम जप करते हुए ध्यान करेंगे तो स्वास्थ्य लाभ के साथ ही धर्म लाभ भी मिलेंगे। मंत्र जप और ध्यान मंदिर में या अपने घर पर भी कर सकते हैं। जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम किया जाता है, ठीक उसी तरह मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान किया जाता है। मेडिटेशन करने से ब्लड प्रेशर संतुलित होता है, शरीर में ऊर्जा बढ़ती है, शरीर को ऑक्सीजन ज्यादा मिलती है, जिससे तनाव दूर होता है, नकारात्मक विचार खत्म होते हैं, मन शांत हो जाता है।मंत्र जप पर किए गए आधुनिक शोध चौंकाने वाले परिणाम दे रहे हैं। जब हम राम बोलते हैं तो हमारे मुख, तालु और कंठ में विशेष कंपन उत्पन्न होती हैं। 1. मस्तिष्क पर प्रभाव अल्फा तरंगें बढ़ती हैं: मंत्र जप के दौरान ईईजी परीक्षणों में मस्तिष्क में अल्फा तरंगों की वृद्धि दर्ज की गई है, जो गहरी शांति और रचनात्मकता से जुड़ी हैं। कॉर्टिसोल घटता है: तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल के स्तर में उल्लेखनीय कमी आती है। सेरोटोनिन बढ़ता है: खुशी के हार्मोन सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है, जिससे मूड

बेहतर होता है। प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स सक्रियः निर्णय लेने और आत्म-नियंत्रण से जुड़ा मस्तिष्क का क्षेत्र अधिक सक्रिय होता है। 2. शरीर पर प्रभाव (Physical Effects) रक्तचाप नियंत्रणः नियमित मंत्र जप से रक्तचाप में स्थिरता आती है। श्वास की लयः राम नाम का जप करते समय श्वास स्वाभाविक रूप से धीमी और गहरी हो जाती है, जो वेगस नर्व को सक्रिय करती है। प्रतिरोधक क्षमताः ध्यान और मंत्र जप से इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। नींद की गुणवत्ताः नियमित जप करने वाले लोगों में बेहतर नींद के पैटर्न देखे गए हैं। 3. राम शब्द की ध्वनि विज्ञान रा उच्चारण करते समय मुख पूरा खुलता है और श्वास बाहर आती है — यह शरीर की दूषित ऊर्जा को बाहर निकालता है। म उच्चारण में होंठ बंद होते हैं और कंपन कपाल में गूँजती है — यह नई ऊर्जा को भीतर स्थिर करती है। इस प्रकार राम नाम एक संपूर्ण श्वास चक्र है। राम नाम जप के आध्यात्मिक फायदे विज्ञान जहाँ समाप्त होता है, वहाँ आध्यात्मिक अनुभव शुरू होता है। राम नाम के जप से होने वाले आध्यात्मिक परिवर्तन क्रमशः इस प्रकार हैं: प्रारंभिक चरण (1 लाख - 10 लाख जप) मन का भटकना कम होता है। दिनचर्या में अनुशासन आता है। क्रोध और अधीरता में स्वाभाविक कमी। भगवान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम जागता है। मध्यम चरण (10 लाख - 50 लाख जप) ध्यान में गहराई आती है — मन तेज़ी से स्थिर होता है। जीवन की परिस्थितियों को स्वीकार करना आसान होता है। स्वप्न में राम दर्शन या रामलीला जैसे दृश्य आने लगते हैं। जो बोलते हैं, वह सत्य होने लगता है (वाक् सिद्धि के प्रारंभिक लक्षण)। उच्च चरण (50 लाख - 1 करोड़ जप) चित्त शुद्धिः अवचेतन मन के गहरे संस्कार साफ होने लगते हैं। अजपा जपः राम नाम श्वास के साथ स्वयं चलने लगता है, बिना प्रयास के। भय का अंतः मृत्यु का भय, असफलता का डर — सब धीरे-धीरे समाप्त होता है। भगवत् कृपाः जीवन में अनायास सकारात्मक घटनाएँ घटने लगती हैं।हालांकि राम का कितने बार नाम लिया ऐ गिनने की जरुरत नहीं है खुद ही धीरे धीरे आपको अंदर से जब मन शांत हो जाए तो खुद ही आराम मिलेगा धूर्त लोग इससे जलेंगे क्योंकि वो आपसे सच्चा प्यार नहीं करते हैं जब पैसा मिलते रहता है तो बहुत अच्छा और नहीं तो छोड़ देंगे या रिश्ते ख़राब कर देंगें डॉ किसी बीमारी के इलाज के लिए कुछ नहीं खाने को बोलते हैं तो ना खाएंगे लेकिन डॉ को आपकी कितनी उम्र लिखी है क्या मालूम है अतः आप शुद्ध सात्विक भोजन ले दवाई से बचें और भगवान राम का ध्यान करें तो शुरुआत में मन इधर उधर भटकता है और आपका मन ही आत्मा है जो किसी कार्य करने की सलाह देता है अच्छा में मेहनत लगेगा फल मीठा होगा ख़राब में भ्रस्टाचार से धन मिलेगा लेकिन सेहत ख़राब होगा लोभ पैदा होगा, इसलिए आज युद्ध के माहौल में शांति की आवश्यकता है इसके लिए भगवान राम का ध्यान सबसे उत्तम है जिससे हमारे शरीर के टेलोमेर का संरक्षण होता है क्योंकि नहीं बोलने और शान्ति से रहने पर इन कोशिका पर तनाव नहीं होता है टेलोमेर हमारे गुणसूत्रों के सिरों पर मौजूद डीएनए और प्रोटीन की सुरक्षात्मक टोपियां हैं, जो आनुवंशिक जानकारी को नुकसान से बचाती हैं। इन्हें जूते के फीतों के सिरों (aglets) की तरह समझा जा सकता है, जो गुणसूत्रों को खुलने या आपस में उलझने से रोकते हैं। हर कोशिका विभाजन के साथ ये छोटे होते जाते हैं, और उम्र बढ़ने का संकेत देते हैं। टेलोमेर के बारे में मुख्य विवरणः संरचनाः टेलोमेर डीएनए अनुक्रमों के दोहराव से बने होते हैं, जो गुणसूत्रों को डैमेज से बचाते हैं। कार्यः ये गुणसूत्रों की अखंडता बनाए रखते हैं और उन्हें अन्य गुणसूत्रों के साथ जुड़ने से रोकते हैं। कोशिका विभाजनः कोशिका विभाजन के दौरान टेलोमेर थोड़े छोटे हो जाते हैं। जब ये बहुत छोटे हो जाते हैं, तो कोशिका विभाजित होना बंद कर देती है और मर जाती है। उम्र बढ़नाः छोटे टेलोमेर बुढ़ापे और उम्र से संबंधित बीमारियों से जुड़े होते हैं। टेलोमेरेस : यह एक एंजाइम है जो टेलोमेर की लंबाई को बनाए रखने या मरम्मत करने में मदद करता है। संक्षेप में, टेलोमेर कोशिका के जीवन और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले आनुवंशिक सिरे हैं। टेलोमेयर डीएनए-प्रोटीन संरचनाएं हैं जो गुणसूत्रों के सिरों पर पाई जाती हैं, जिनका कार्य जीनोमिक स्थिरता और कोशिका जीवन को बनाए रखना है। उनकी लंबाई एक वंशानुगत बायोमार्कर है जो आनुवंशिक उम्र बढ़ने के बारे में जानकारी दे सकती है।जो भगवान राम के ध्यान से होगा।

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर लोकसभा में मंथन और राजनीति का नया दौर

कांतिलाल मांडोत

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून से जुड़े तीन महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक पेश होने के साथ ही देश की राजनीति एक नए चरण में प्रवेश करती दिखाई दे रही है। इन विधेयकों पर चर्चा के लिए सदन में लंबा समय तय किया गया है और इसके साथ ही यह स्पष्ट हो गया है कि यह केवल एक कानून नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का बड़ा प्रश्न बन चुका है। चर्चा के लिए पहले मतदान हुआ जिसमें बहुमत ने इस विषय पर बहस को मंजूरी दी और अब सभी दल अपने अपने तर्कों के साथ मैदान में हैं।

यह पूरा घटनाक्रम उस पृष्ठभूमि में हो रहा है जब वर्ष 2023 में महिला आरक्षण कानून को संसद से मंजूरी मिली थी। उस समय इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया था लेकिन इसके लागू होने की समयसीमा जनगणना और परिसीमन से जुड़ी शर्तों के कारण आगे खिसकती नजर आ रही थी। अब सरकार ने संशोधन के जरिए इन प्रक्रियाओं को सरल बनाने और लागू करने की समयसीमा को आगे लाने की कोशिश की है ताकि वर्ष 2029 के आम चुनावों तक इसका प्रभाव दिखाई दे सके।

नए प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की कुल सीटों की संख्या को बढ़ाकर 850 करने की योजना है। वर्तमान में यह संख्या 543 है। इस विस्तार के साथ ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है जिससे लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित होंगी। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं बल्कि प्रतिनिधित्व के स्वरूप का भी संकेत देता है क्योंकि इससे संसद में महिलाओं की भागीदारी में बड़ा उछाल आ सकता है। सरकार का तर्क है कि यह संशोधन सामाजिक न्याय और समान भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उनका कहना है कि संविधान में संशोधन करने का अधिकार संसद को है और समय समय पर देश की जरूरतों के अनुसार ऐसे बदलाव जरूरी होते हैं। इस दृष्टिकोण के साथ सरकार यह भी स्पष्ट कर रही है कि परिसीमन की प्रक्रिया को नई जनगणना के बजाय 2011 के आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा जिससे देरी कम हो और कानून जल्दी लागू हो सके।

वहीं विपक्ष ने इस पूरे प्रस्ताव पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि महिला आरक्षण का वे समर्थन करते हैं लेकिन परिसीमन और सीटों की संख्या बढ़ाने के तरीके पर आपत्ति है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए राज्यों के बीच संतुलन बिगाड़ने की कोशिश हो रही है और यह संघीय ढांचे के लिए चुनौती बन सकता है। कुछ नेताओं ने इसे समाज को वर्गों में बांटने की साजिश भी बताया है।

राजनीतिक बहस का एक और महत्वपूर्ण पहलू मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग को लेकर सामने आया है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि अगर महिलाओं को आरक्षण दिया जा रहा है तो उसमें सभी वर्गों की महिलाओं को समान रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इसके जवाब में सरकार की ओर से यह कहा गया कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संविधान के खिलाफ है और यह संभव नहीं है। इस पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

इस पूरे विवाद में परिसीमन सबसे अहम मुद्दा बनकर उभरा है। परिसीमन का मतलब है चुनावी क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण ताकि जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। अभी तक सीटों का निर्धारण 1971 की जनगणना के आधार पर किया जा रहा था लेकिन अब इसमें बदलाव का प्रस्ताव है। नए प्रस्ताव के तहत संसद को यह अधिकार दिया जाएगा कि वह तय करे कि किस जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया जाए।

इस बदलाव का असर राज्यों पर अलग अलग तरीके से पड़ सकता है। अनुमान के अनुसार उत्तर प्रदेश बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों को सीटों में बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा जबकि दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में सीटों का अनुपात घट सकता है। यही कारण है कि तमिलनाडु और अन्य राज्यों के नेताओं ने इसका विरोध किया है और इसे क्षेत्रीय असंतुलन की ओर कदम बताया है।

महिला आरक्षण के प्रभाव को समझने के लिए वर्तमान स्थिति पर नजर डालना जरूरी है। अभी लोकसभा में महिलाओं की संख्या बहुत कम है और कुल सदस्यों का लगभग चौदह प्रतिशत ही महिलाएं हैं। राज्यसभा में भी यह प्रतिशत बहुत ज्यादा नहीं है। वैश्विक स्तर पर देखें तो भारत इस मामले में काफी पीछे है और कई छोटे देश भी महिलाओं के प्रतिनिधित्व में आगे हैं। ऐसे में यह कानून भारत को इस दिशा में आगे ले जाने की क्षमता रखता है।

हालांकि इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। आरक्षित सीटों का रोटेशन हर चुनाव में होगा जिससे नेताओं को अपने क्षेत्र बदलने पड़ सकते हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों को भी अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा और अधिक संख्या में महिला उम्मीदवारों को तैयार करना होगा। यह बदलाव केवल कानून से नहीं बल्कि राजनीतिक संस्कृति में परिवर्तन से ही सफल हो सकता है।

संविधान संशोधन होने के कारण इस विधेयक को पारित करने के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता है। इसका मतलब है कि केवल साधारण बहुमत से काम नहीं चलेगा बल्कि उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का दो तिहाई समर्थन जरूरी होगा। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार सरकार के पास बहुमत है लेकिन दो तिहाई समर्थन के लिए उसे अन्य दलों से भी सहयोग लेना पड़ सकता है। यही कारण है कि बैक चैनल बातचीत और राजनीतिक सहमति इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएगी।

महिला आरक्षण का मुद्दा नया नहीं है बल्कि यह पिछले तीन दशकों से चर्चा में रहा है। कई बार इसे संसद में पेश किया गया लेकिन विभिन्न कारणों से यह पारित नहीं हो सका। वर्ष 2010 में इसे राज्यसभा से मंजूरी मिली थी लेकिन लोकसभा में पेश नहीं किया जा सका। अंततः वर्ष 2023 में इसे कानून का रूप मिला और अब संशोधन के जरिए इसे लागू करने की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि महिला आरक्षण केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। इसके जरिए महिलाओं को राजनीति में अधिक अवसर मिलेंगे और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। हालांकि इसके साथ जुड़े विवाद और चुनौतियां भी कम नहीं हैं और आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि संसद इस पर किस तरह सहमति बनाती है।

अंत में यह कहा जा सकता है कि यह विधेयक भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह तय करेगा कि देश सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों को किस हद तक लागू करने के लिए तैयार है। अगर यह सफल होता है तो यह आने वाले वर्षों में राजनीति के स्वरूप को बदल सकता है और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो सकता है।

(L 103 जलवन्त टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड,नियर नन्दालय हवेली सूरत मो।99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार सहित्यकार, स्तम्भकार)

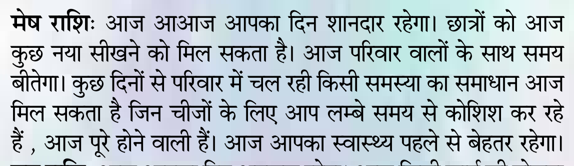

मेष राशिः आज आआज आपका दिन शानदार रहेगा। छात्रों को आज कुछ नया सीखने को मिल सकता है। आज परिवार वालों के साथ समय बीतेगा। कुछ दिनों से परिवार में चल रही किसी समस्या का समाधान आज मिल सकता है जिन चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे हैं , आज पूरे होने वाली हैं। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज किसी कार्य की योजना बनाने में सफल होंगे और मेहनत का पूरा फायदा भी मिलेगा। सोचे हुए सारे काम पूरे होंगे। आज व्यापारियों को आय के नए स्रोत मिलेंगे। जीवनसाथी आपसे प्रसन्न होंगे।

मिथुन राशिः आज मन स्थिर न होने की वजह से आप थोड़े उलझन में रहेंगे, लेकिन अपनों की मदद से राहत महसूस करेंगे। ऑफिस में आज आपका काम काफी बढ़ सकता है। जरूरत से ज्यादा काम होने से थकान महसूस हो सकती है। जिन कोशिशों को आप अपनी ओर से व्यर्थ मान चुके थे, वे आज सफल होंगी। आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में जाना पड़ सकता है।

कर्क राशिः आज आप सोच-विचार में डूबे रहेंगे। इस राशि के जो लोग कम्प्यूटर के क्षेत्र से जुड़े है, आज उन्हें कार्यक्षेत्र को बढ़ाने में रुकावट महसूस हो सकती है। बेहतर होगा कि अपनी सफलता की राह में दूसरों को बीच में न आने दें। आर्थिक मामलों को लेकर किसी व्यक्ति से आज रोचक बात हो सकती हैं। आज आपके स्वास्थ्य में थोड़ा उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ हो सकता है। आपके लिए व्यक्ति मददगार हो सकता है। इस राशि के साहित्य से जुड़े लोगों को आज बड़ी खुशखबरी मिलेगी। आप जिससे मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी। इस राशि के विवाहित आज जीवनसाथी को ट्रिप या डिनर पर ले जाने के लिए सरप्राइज दे सकते हैं।

कन्या राशिः आज किस्मत आपका साथ देगी। आज रूका हुआ काम आज आसानी से पूरा हो जायेगा। ऑफिस में आज सीनियर से बातचीत करने से सहयोग प्राप्त होगा, साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के कई नये अवसर प्राप्त हो सकते है। पारिवारिक माहौल आज खुशनुमा बना रहेगा। आज आपको खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

तुला राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज उन परिस्थितियों में पड़ने से बचें, जिनमें आप असुविधा महसूस करते हैं। आज अपनी सोच को सकारात्मक बनाये रखें और फीजूल की बातों में पड़ने से बचें। अगर आप किसी नये काम की शुरुआत कर रहे हैं, तो आज पूरा दिन व्यस्त रह सकते हैं। आज कदम उठाने में जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक राशिः आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज जीवनसाथी से कुछ अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। आज घर में किसी कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं या दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं। इस राशि के छात्र अगर आज किसी इंटरव्यू के लिये जा रहे हैं, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी। आज आपको सभी कामों में सफलता प्राप्त होगी।

धनु राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के जो लोग सूचना प्रसारण क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, आज उन्हें किसी बड़ी संस्था में काम करने का अवसर मिलेगा। आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज अचानक धन लाभ हो सकता हैं। आज अपने करियर को लेकर थोडा चिंतित हो सकते है। आज परिवार के सहयोग से आपके सारे काम बन जायेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। जिस अवसर की पिछले कई दिनों से आपको तलाश थी, वो आज किसी करीबी की मदद से मिल सकता है। बॉस आज आपके काम से खुश हो सकते है। आज अपने खास काम निपटाने के लिहाज से दिन बहुत अच्छा है। इस राशि के लवमेट आज कहीं घूमने के लिये जा सकते हैं।

कुंभ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। अगर आज आप कुछ ख़ास काम करना चाहते है, तो जरूर करें वह जरूर सफल होगा। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप बखूबी निभाएंगे। आज अचानक धन लाभ हो सकता है। आज हर काम को ध्यान से करेंगे, तो अच्छा रहेगा। इस राशि के कलाकारों के लिए आज का दिन विशेष रूप से अच्छा है।

मीन राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपका खर्च बढ़ सकता है। आज कामकाज के मामले में थोड़े सुस्त रहेंगे। आज पुराने लेन देन को अनदेखा न करें। आज घर में किसी मेहमान के आने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश रहेगा। आज जीवनसाथी के बीच सामंजस्य बना रहेगा। आज आप पैसों को लेकर थोडें चिंतीत रह सकते है।वकीलों के लिए आज का दिन राहतपूर्ण रहेगा।

ईरान-अमेरिका युद्ध के दुष्परिणाम

राजीव खंडेलवाल

विश्व में शासन की तीन प्रमुख प्रणालियाँ हैं—लोकशाही (लोकतंत्र), राजशाही (राजतंत्र) और तानाशाही। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका और इज़राइल स्वयं को लोकतांत्रिक मूल्यों के वाहक के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जबकि ईरान की शासन प्रणाली इन तीनों से भिन्न एक विशिष्ट "धर्मतांत्रिक गणतंत्र" है।

ईरान की शासन प्रणालीः एक अनोखा मिश्रण। ईरान में विलायत-ए-फकीह सिद्धांत लागू है, जिसके अंतर्गत सर्वोच्च नेता का चयन प्रत्यक्ष जनता द्वारा नहीं, बल्कि विशेषज्ञों की सभा द्वारा किया जाता है। यह प्रणाली लोकतंत्र और तानाशाही का ऐसा मिश्रण है, जिसमें "ऊपर से लोकतंत्र, भीतर से तानाशाही का कठोर नियंत्रण" स्पष्ट झलकता है। वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति ने मोहम्मद रेजा पहलवी की राजशाही का अंत कर दिया और धर्म आधारित शासन की स्थापना की। आज ईरान एक ऐसा राष्ट्र है जहाँ धर्म और राजनीति "एक ही सिक्के के दो पहलू" बन चुके हैं। वर्तमान में पहलवी निर्वासित रूप से अमेरिका में रह रहे है।

लोकतंत्र की पराजय- 28 फरवरी 2026 से प्रारंभ ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध संघर्ष ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका, जो स्वयं को लोकतंत्र का "झंडाबरदार" मानता है, ने परमाणु कार्यक्रम पर चल रही सहमति बनाने की वार्ता के अंतिम चरण में अचानक आक्रमण (इजरायल के दबाव अथवा कहने से) कर "बातचीत की मेज उलट दी"। विपरीत इसके नागरिक ठिकानों पर हमले कर निर्दोषों की मौत, एक साथ 168 स्कूली बच्चों की नृशंस हत्या के (26 फरवरी 2026) की ये सब घटनाएँ लोकतांत्रिक एवं मानवीय मूल्यों पर "कालिख पोतने" के समान प्रतीत होती हैं। दूसरी ओर, ईरान ने "सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे" जैसी रणनीति अपनाते हुए संयम और जवाबी कार्रवाई का संतुलन बनाए रखा। ट्रंप के उत्तेजित करने वाले बयानों से प्रभावित, विचलित हुए बिना, ईरान इस्लामाबाद शांति वार्ता में सौम्यता पूर्वक लेकिन दृढ़ता से अपनी सार्वभौमिकता एवं संप्रभुता के साथ वार्ता में भाग लिया। हर गंभीर धमकी भरे बयानों का भी जवाब आक्रर्मण कार्रवाई किये जाने तक ''संयम'' का परिचय देते हुए कार्रवाई के बाद ''माकूल'' जवाब दिया। परिणामस्वरूप, वैश्विक जनमत का एक बड़ा वर्ग ईरान खासकर वहां की जनता के पक्ष में सहानुभूति रखने

लगा। विडंबना यह रही कि जिस ईरान में कुछ समय पूर्व जनता शासकों के खिलाफ शासन परिवर्तन (resim change) के लिए सड़कों पर थी, वही जनता बाहरी हमले के विरोध में एकजुट हो गई। यह स्थिति "घर का भेदी लंका ढाए" के विपरीत "बाहरी खतरे व आक्रमण ने अंदरूनी मतभेद भुला दिए" का उदाहरण बन गई। उधर अमेरिका में भी व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। सभी 50 राज्यों में लगभग 3000 स्थानों पर 90 लाख से अधिक नागरिकों द्वारा No kings विरोध प्रदर्शन हुए। जिससे यह स्पष्ट हुआ कि लोकतंत्र के भीतर भी असहमति की आवाजें "अंगारों की तरह सुलग रही हैं"। ट्रम्प की रेटिंग गिरी है। स्पष्ट है, ट्रंप के बेकहूफियों से भरे इन गलत कदमों से ''लोकतंत्र हारा'' व इस्लामिक तानाशाही शासक विजयी भाव से मद मस्तक हो गया। अमेरिका की विश्वशनीयता घाटी तथा जगहंसाई हुई अलग।

परमाणु शक्तिः दादागिरी एवं दोहरा मापदंड- ईरान-अमेरिका-इस्लामाबाद शांति वार्ता के असफल होने का प्रमुख कारण अमेरिका ने यूरेनियम संवर्धन पर सहमति न होना बतलाया। प्रश्न यह उठता है कि जो राष्ट्र स्वयं परमाणु हथियारों से लैस हैं, वे दूसरे देश जो परमाणु संपन्न हथियारों से संपन्न देशों के आक्रमण से ग्रसित हैं, भयभीत हैं, को इस अधिकार से वंचित क्यों करना चाहते हैं? संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के पांचों स्थाई सदस्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन परमाणु अप्रसार संधि (NIT) के सदस्य होकर भी परमाणु अस्त्र संपन्न राष्ट्र हैं। जबकि शेष चार राष्ट्र भारत, पाकिस्तान, इज़राइल और उत्तर कोरिया परमाणु हथियार संपन्न देश एनपीटी के सदस्य नहीं हैं। यह स्थिति "जिसकी लाठी उसकी भैंस" वाली कहावत को चरितार्थ करती है तथापि 191 देश एनपीटी के सदस्य हैं, जिन्होंने परमाणु बम न बनाने का वायदा किया है। जहां तक ईरान का प्रश्न है, उसके पास 60% से अधिक संवर्धित यूरेनियम है, जिससे कभी भी 90% संवर्धन कर परमाणु बम बनाया जा सकता है। 1980 के दशक में ईरान इराक युद्ध के दौरान ईरान के संस्थापक सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह रुहोल्लाह खोमेनी परमाणु बम को इस्लाम के विरुद्ध बतलाया। वर्ष 2003 में अली खामेनेई ने इसके विरुद्ध फतवा जारी किया। बड़े राष्ट्र अपने लिए नियम अलग और दूसरों के लिए अलग बनाते हैं—यह "दोगली नीति" वैश्विक असंतोष को जन्म देती है। यदि परमाणु शक्ति का उपयोग शांति के लिए उचित है, तो वही अधिकार अन्य देशों को क्यों नहीं? यह प्रश्न आज भी "गले की हड्डी" बना हुआ है।

ईरान से क्या सीख- इस संघर्ष से यह स्पष्ट होता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और रणनीतिक संयम से बड़ा से बड़ा दबाव भी झेला जा सकता है। उसने दृढ़ और सर्वकालीन नीति से विश्व के जनमानस में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाई है। ईरान ने यह सिद्ध कर दिया कि "चींटी भी हाथी को नचा सकती है", यदि उसके पास धैर्य और संकल्प के साथ स्पष्ट नीति हो। अनेक अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, सैन्य दबाव तथा तुलनात्मक सैन्य कमजोर ढांचे के बावजूद ईरान ने अपने हितों की बखूबी रक्षा की, विश्व को एक नई दिशा दी और विरोधियों को नाकों चने चबाकर लगभग घुटने टेकने के लिए मजबूर कर पुनः वार्ता की मेज पर आने को विवश किया।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

एजेंसी, कोलकाता

पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके।

आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खितब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है।

इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने हार्दिक की कप्तानी को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2022 तक पाँच आईपीएल ट्रॉफी जीती थीं, जबकि हार्दिक पांड्या ने गुजरात टाइटन्स के साथ 2023 और 2024 में कोई ट्रॉफी नहीं जीती, और इस साल भी ऐसा होने की संभावना कम ही है। तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि कप्तान के तौर पर जितना सजग और सक्रिय होना चाहिये वैसे हार्दिक नहीं हैं ।

गौरतलब है कि हार्दिक आईपीएल 2021 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे पर साल 2022 में दो नई टीमों के आने के बाद उन्हें गुजरात टाइटन्स का कप्तान बना दिया गया था पर दो साल बाद ही वह वापस मुम्बई पहुंच गये।

लियोनेल मेसी पर इवेंट प्रमोटर ने 70 लाख डॉलर का मुकदमा दायर किया

एजेंसी, मियामी

अर्जेंटीन के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी कानूनी शिकंजे में फंस गये हैं। एक इवेंट प्रमोटर ने अनुबंध को तोड़ने के लिएए मेसी पर मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मियामी स्थित एक इवेंट प्रमोटर ने उन पर पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अपनी उपस्थिति दर्ज न कराकर 70 लाख डॉलर (लगभग 58 करोड़ रुपये) के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। इससे मैसी विवादों में फंस गये हैं। विड म्यूजिक ग्रुप नामक इस प्रमोटर ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। इस मामले में मेसी या एएफए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या टिप्पणी सामने नहीं आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। मेसी को विश्व के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। अपनी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय खेल कौशल के कारण, वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी हैं। उनके दुनियाभर में करोड़ों प्रशंसक हैं, जो उन्हें मैदान पर खेलते हुए देखने के लिए अक्सर मोटी रकम चुकाने को तैयार रहते हैं। यही कारण है कि उनकी अनुपस्थिति का सीधा असर आयोजकों की कमाई और दर्शकों की उम्मीदों पर पड़ता है, जिससे ऐसे अनुबंधों का उल्लंघन वित्तीय और प्रतिष्ठा दोनों के लिहाज से महंगा साबित हो सकता है।

25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं कमिंस

एजेंसी, मुम्बई

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस अपनी चोट से उबर गये हैं और आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद से शीघ्र ही खेलते दिख सकते हैं। कमिंस के 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से इस सत्र में वापसी की उम्मीद है। कमिंस के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशान सनराइजर्स की मुश्किलें समाप्त हो जाएंगी। कमिंस के नहीं होने से अभी टीम ईशान किशन की कप्तानी में खेल रही है। कमिंस अगर वापसी करने में सफल रहते है तो टीम के जीतने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। कमिंस की वापसी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक बड़ी राहत है, जो उन्हें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने और संभावित रूप से खिताब की ओर बढ़ने में मदद कर सकती है। अब तक ईशान की कप्तानी में टीम ने पांच मैचों में तीन जीत और दो हार के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। वहीं कमिंस की वापसी के साथ, ईशान के पास अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने का अवसर रहेगा। जिससे टीम की बल्लेबाजी और मजबूत होगी। कमिंस के टीम से जुड़ने से टीम को एक अनुभवी कप्तान और तेज गेंदबाज मिल जाएगा। उनका मैदान पर होना टीम के मनोबल को बढ़ाएगा और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।कमिंस पिछले साल अगस्त में कमर की हड्डी में स्ट्रेस फ्रैक्चर से जूझ रहे थे, जिसके कारण उन्हें पीठ में लगातार दर्द रहता था। इस चोट के कारण ही वह इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की घरेलू एशेज सीरीज में भी भी केवल एक मैच ही खेल पाये थे।

टी20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

एजेंसी, दुबई। भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं। एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था।

आईपीएल में बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बनी एनगिडी की ये गेंद

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की विशिष्ट डिपिंग स्लोअर बॉल अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बननी जा रही है। इस प्रभावी गेंद पर काम करने की शुरुआत उन्होंने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ जुड़ने के बाद टीम के साथी और दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो के सुझाव पर की थी। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में इस महत्वपूर्ण कला में महारत हासिल करने में एनगिडी को बेशक थोड़ा समय लगा, लेकिन अब यह उनकी गेंदबाजी का एक अहम हथियार बन चुकी है। इसी को लेकर इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक ही जैसी गेंदबाजी कर आप अधिक समय तक नहीं टिक सकते। इसलिए उन्होंने इस गेंद को खोजा है।

दक्षिण अफ्रीका और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले इस तेज गेंदबाज को इस बात पर हैरानी है कि लोग अब उनकी गेंदबाजी विविधताओं के बारे में इतनी बातें कर रहे हैं, जबकि वे वर्षों से उनके खेल का अभिन्न हिस्सा रही हैं। हाल ही में एनगिडी ने अपनी इस प्रभावशाली गेंद के बारे में विस्तार से बताया। यह एक ऐसी धीमी गेंद है जो बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते अचानक नीचे की ओर गिरने लगती है। इसकी खासियत यह है कि यह धीमी यॉर्कर, लेंथ गेंद या धीमी बाउंसर किसी भी रूप में डाली जा सकती है।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में ओम पावर ट्रांसमिशन की मजबूत शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम पावर ट्रांसमिशन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 175 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3.5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 181.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर छह प्रतिशत प्रीमियम के साथ 186 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर बीएसई पर 190.15 रुपये और एनएसई पर 195.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि कुछ देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर 189 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक आठ प्रतिशत के फायदे में थे। ओम पावर ट्रांसमिशन का 150.06 करोड़ रुपये का आईपीओ नौ से 13 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.65 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 7.06 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.54 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 150.06 करोड़ रुपये के कुल 85.759 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 133 करोड़ रुपये के 75.75 लाख नए शेयर जारी हुए हैं। इसके अलावा 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इक्वीपमेंट्स और मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। ओम पावर ट्रांसमिशन की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 6.23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.41 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 22.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 23.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 121.71 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 184.39 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 281.65 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 276.50 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि आज के कारोबार में चांदी मामूली कमजोरी का शिकार हो गया है। शुरुआती कारोबार में सोना 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज फिजिकल गोल्ड 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,809.16 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह चांदी भी आज 79.61 डॉलर प्रति औंस की कीमत पर बिक रहा है। घरेलू सर्राफा बाजार में कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेहुल टेलिकॉम का आईपीओ, 24 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

टेलिकॉम सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर बारह बजे तक कंपनी का आईपीओ 58 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। मेहुल टेलिकॉम के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,35,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,29,600 शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.91 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.08 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कम्युलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, निकुंज स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को एक लाख रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। इसके अगले साल 2024-25 में कंपनी फायदे में आ गई। इस साल कंपनी को 5.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 7.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त थी। लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी पर सात लाख रुपये का कर्ज हो गया। इसी तरह मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर 3.72 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लद चुका है। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये नौ लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 17.10 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 24.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 3.04 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 8.02 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष में 31 दिसंबर 2025 तक ये 9.71 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी, आईटीसी, ट्रेंट लिमिटेड और टीएमपीवी के शेयर 1.60 प्रतिशत से लेकर 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचडीएफसी लाइफ, विप्रो, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक्नोलॉजी और बजाज ऑटो के शेयर 3.51 प्रतिशत से लेकर 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,696 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,966 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 730 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 12.55 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 77,976.13 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ सिटियस ट्रांसनेट का आईपीओ, 21 अप्रैल तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के सिटियस ट्रांसनेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट का 1,105 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 29 अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 99 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ के तहत 1,105 करोड़ रुपये के कुल 11.05 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इस आईपीओ के जरिये मिलने वाली राशि का इस्तेमाल एसआरपीएल रोड्स प्राइवेट लिमिटेड और त्रिशूर एक्सप्रेसवे लिमिटेड, जोराबट शिलांग एक्सप्रेसवे लिमिटेड, धोला इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और दिबांग इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जैसे कुछ चिन्हित प्रोजेक्ट्स की सिक्योरिटीज के आंशिक या पूर्ण अधिग्रहण के लिए करेगी। इसके अलावा इस राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए भी किया जाएगा। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 25 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 6454.01 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 774.12 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 417.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 219.05 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 1,885.30 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2,038.53 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,65.62 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

रामायण पार्ट 1 में राम-रावण अवतार में क्या आमने-सामने होंगे रणबीर कपूर और यश?, साउथ सुपरस्टार ने दिया हिंट

अभिनेता यश ने रामायण में रावण की अपनी भूमिका के बारे में कुछ नई जानकारी साझा की है, और एक खुलासे ने प्रशंसकों को चौंका दिया है. अभिनेता ने पुष्टि की कि दो फिल्मों की महाकाव्य सीरीज के पहले भाग में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले रणबीर कपूर के साथ उनके कोई सीन नहीं हैं. यह खुलासा फिल्म की भव्य रिलीज से पहले बढ़ती उत्सुकता के बीच आया है.

दोनों किरदारों के बीच के संबंध के बारे में बात करते हुए यश ने बताया कि कहानी की मेकिंग के कारण पहले भाग में दोनों अलग-अलग नजर आते हैं. उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म में हम दोनों कभी भी एक साथ स्क्रीन पर नहीं आए हैं. जैसा कि आप सभी जानते हैं, यह दो भागों वाली फिल्म है, इसलिए पहले भाग में रावण के रूप में मेरा अपना राज्य है और राम का अपना. उन्होंने आगे बताया कि दोनों किरदारों का आमना-सामना केवल दूसरे भाग में होगा, जो अगले साल रिलीज़ होने वाली है. स्क्रीन स्पेस साझा न करने के बावजूद, यश ने रणबीर के बारे में गर्मजोशी से बात की और उनके काम की प्रशंसा की. उन्होंने कहा, हम असल जिंदगी में कुछ बार मिले हैं, और वह एक शानदार अभिनेता हैं. मुझे लगता है कि यह आपसी सम्मान का नतीजा है. उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम कहानी को बेहतरीन तरीके से पेश करने पर केंद्रित है: जब आप रामायण जैसी महत्वाकांक्षी और असाधारण चीज करने निकलते हैं, तो हम सभी का एक ही लक्ष्य होता है कि हम अपना बेस्ट दें. हमारी सोच एक जैसी है, इसलिए हमारे बीच तालमेल की कोई समस्या ही नहीं है. यश ने रावण का किरदार निभाने के अपने फैसले और इस चरित्र के पीछे के दर्शन के बारे में भी खुलकर बात की. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिल्म केवल अच्छाई बनाम बुराई की कहानी नहीं है. उन्होंने कहा, रामायण की कहानी सिर्फ अच्छे या बुरे व्यक्ति के बारे में नहीं है. आप हर चीज में बेस्ट हो सकते हैं. आपके पास सभी बेहतरीन कौशल हो सकते हैं, लेकिन फिर भी आपका निर्णय मायने रखता है. अभिनेता ने समझाया कि रावण एक व्यक्तित्व है जो उसके कर्मों से बनता है. उन्होंने आगे कहा, आप सब कुछ जानते हैं. आप संगीत में अच्छे हैं. आप शास्त्रों में अच्छे हैं, लेकिन फिर भी आपके कर्म, आपके कर्म ही आपको परिभाषित करते हैं. इसी नजरिए से मैंने इस किरदार को निभाया. उन्होंने कहा, हम इन कहानियों को सुनते हुए बड़े हुए हैं, ये हमारी संस्कृति और बिलीव सिस्टम का हिस्सा हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात एंगल है, हर किरदार का अपना नजरिया होता है और ज्यादातर समय वे जो कर रहे होते हैं उस पर विश्वास करते हैं.रामायण भी चर्चा का मुख्य विषय रही है. यह फिल्म दो भागों में निर्मित एक विशाल बजट और व्यापक तकनीकी उपयोग के साथ बनाई जा रही है. यश ने इस परियोजना को महत्वाकांक्षी बताया और कहा कि इसमें शामिल सभी लोग कहानी को भव्य तरीके से प्रस्तुत करने के लिए प्रयासरत हैं. पहला भाग दिवाली 2026 के दौरान रिलीज होने वाला है, जबकि दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होगा.

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 ने 27वें दिन फिर दिखाया दम डकैत को भी मिली बढ़त

फिल्म धुरंधर 2 का पलड़ा बॉक्स ऑफिस पर अभी भी भारी चल रहा है। 19 मार्च को रिलीज हुई इस फिल्म ने 27वें दिन फिर से अच्छी कमाई कर दिखाई है। आंकड़ों में बढ़त देखने को मिली। फिल्म के जरिए रणवीर सिंह हर दिन दर्शकों का बेशुमार प्यार हासिल कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष की फिल्म डकैत 10 अप्रैल को रिलीज हुई थी। आइए जानते हैं कि 5वें दिन इसने कितना कलेक्शन किया है। सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर 2 ने चौथे हफ्ते के पहले सोमवार, यानी 26वें दिन 5.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, लेकिन 27वें दिन इसने 7.05 करोड़ रुपये कमाए हैं। इस तरह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कुल नेट कमाई 1,095.67 करोड़ रुपये हो गई है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1,727.93 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। यह फिल्म दिसंबर, 2025 में आई धुरंधर का सीक्वल है, जिसमें संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भी हैं। मृणाल और अदिवि की फिल्म डकैतः एक प्रेम कथा बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाने में लगी है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने 6.55 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी, और दूसरे दिन 6.85 करोड़, तीसरे दिन 6.40 करोड़ के साथ अपनी पकड़ को बनाए रखा। फिल्म ने चौथे दिन, यानी सोमवार को सिर्फ 2.70 करोड़ कमाए थे, लेकिन 5वें दिन 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म ने अब तक 25.50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

रवीना टंडन की बेटी और राजकुमार हिरानी के बेटे की जोड़ी तैयार, मचेगा धमाल

बॉलीवुड में एक और धमाकेदार स्टार किड डेब्यू की तैयारी पूरी हो चुकी है। अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी अब एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वीर की सिनेमाघरों में आने वाली इस पहली फिल्म में राशा उनके साथ रोमांस करती दिखेंगी। फिल्म के लिए काफी समय से हीरोइन की तलाश चल रही थी, जो अब आखिरकार राशा पर आकर खत्म हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी को अपनी पहली थिएट्रिकल फिल्म के लिए लीड हीरोइन मिल गई है। जय शेवक्रमणि के अगले प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म में रवीना की बेटी राशा थडानी को उनके अपोजिट कास्ट किया गया है। इस फिल्म का नाम फिलहाल लगन लागी रे रखा गया है। कुल मिलाकर 2 बड़े फिल्मी घरानों के वारिसों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए काफी रोमांचक होने वाला है।

ये फिल्म एक ताजा और युवाओं पर आधारित प्रेम कहानी बताई जा रही है, जिसका निर्देशन सोनाली रतन देशमुख करेंगी। सोनाली इससे पहले अपने पति कुणाल देशमुख के साथ जन्नत, तुम मिले और शिद्दत जैसी मशहूर रोमांटिक म्यूजिकल फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक काम कर चुकी हैं। निर्माता पर्दे पर एक बिल्कुल नई जोड़ी पेश करना चाहते थे और उनका मानना है कि वीर-राशा एक बेहद शानदार रोमांटिक जोड़ी साबित होंगे। इस फिल्म की शूटिंग जुलाई 2026 में शुरू होगी। ये वीर हिरानी की बड़े पर्दे पर पहली फिल्म होगी। अभिनय की दुनिया में ये उनका दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले वो जियो हॉटस्टार की आने वाली सीरीज प्रीतम पेड्रो में नजर आएंगे, जो एक साइबर क्राइम थ्रिलर सीरीज है। इस सीरीज को उनके पिता ने बनाया है। इसमें उनके साथ अरशद वारसी और विक्रांत मैसी जैसे कलाकार हैं। लंदन की प्रतिष्ठित रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट से स्नातक वीर पहले ही थिएटर जगत में अपनी पहचान बना चुके हैं। जहां तक राशा की बात है, उन्होंने पिछले साल अभिषेक कपूर की पीरियड ड्रामा फिल्म आजाद से अभिनय की शुरुआत की थी। हालांकि, उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। उधर राशा भी अपने अभिनय से दर्शकों को कुछ खास प्रभावित नहीं कर पाईं। वो बात अलग है कि इस फिल्म के पार्टी नंबर उई अम्मा... ने उन्हें सोशल मीडिया पर खूब मशहूर कर दिया था। राशा अभिनेता अभय वर्मा के साथ लइकी लइका भी लेकर आ रही हैं।

मैं सिर्फ एब्स बनाने के चक्कर में नहीं हूं : सुमोना चक्रवर्ती

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने जिम की कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वह कड़ी मेहनत से एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। इन पोस्ट्स में सुमोना ने अपने मन के भावों को बेहद ईमानदारी और मजाकिया अंदाज में व्यक्त किया, जो उनके प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है। अपनी फिटनेस यात्रा के बारे में बात करते हुए सुमोना ने लिखा, लगातार कोशिश करते रहना, अनुशासन बनाए रखना और बस आगे बढ़ते रहना यह भी एक बड़ी जीत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य केवल एब्स बनाना नहीं है, बल्कि खुद को आंतरिक रूप से मजबूत बनाना है। उन्होंने लिखा, मैं सिर्फ एब्स बनाने के चक्कर में नहीं हूं। असल में मैं खुद को मजबूत बनाना चाहती हूं। यह दिखाता है कि उनका ध्यान केवल बाहरी दिखावे पर नहीं, बल्कि समग्र शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर है। अभिनेत्री ने उम्र बढ़ने के साथ शरीर में आने वाले बदलावों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने लिखा, पहले जैसा लचीलापन अब नहीं रहा है। छोटी-छोटी गलतियों से घुटना या कंधा चोटिल हो जाता है और ठीक होने में भी ज्यादा समय लगता है। यह एक ऐसी सच्चाई है जिसका सामना कई लोग करते हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करते हुए कहा, फिर भी मैं हार नहीं मानूंगी। मैं अभी भी यहां हूं, चल रही हूं और आगे बढ़ रही हूं। अब मैं सिर्फ अपने शरीर का खास ध्यान रख रही हूं ताकि आने वाले दिनों में मुझे कोई परेशानी न हो। यह उनके मजबूत इरादों और आत्म-देखभाल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। सुमोना ने भविष्य के लिए अपनी शारीरिक क्षमताओं से जुड़ी इच्छाएं भी जाहिर कीं। उन्होंने लिखा, मैं चाहती हूं कि आगे चलकर मैं आराम से बैठ सकूं, खड़ी हो सकूं, डांस कर सकूं और बिना किसी दर्द के ट्रैवल कर सकूं। ये साधारण लगने वाली इच्छाएं दरअसल एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन की नींव हैं, जिन्हें बनाए रखने के लिए वे लगातार प्रयास कर रही हैं। अपने ट्रेनर को खास तौर पर धन्यवाद देते हुए, सुमोना ने उनके समर्थन और विश्वास की सराहना की। उन्होंने लिखा, मेरे हेल्थ का ध्यान रखने के लिए शुक्रिया। आप मुझ पर जितना भरोसा करते हो, कभी-कभी मैं खुद पर उतना भरोसा नहीं कर पाती, लेकिन मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी हूं। यह उनके और उनके ट्रेनर के बीच के मजबूत रिश्ते को उजागर करता है, जहां ट्रेनर का विश्वास उन्हें आगे बढ़ने में मदद करता है। सुमोना चक्रवर्ती एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री और कमीडियन हैं, जो मुख्य रूप से कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी हास्य प्रतिभा और अभिनय कौशल से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है।

बादशाह ने किया विवादित गाने का संशोधित संस्करण टटीरी फिर से जारी

अपने विवादित गाने टटीरी का नया और संशोधित संस्करण टटीरी फिर से सिंगर बादशाह ने रिलीज कर दिया है। टटीरी गाने पर बैन लगने के बाद बादशाह ने इस बार लिरिक्स और वीडियो में महत्वपूर्ण बदलाव करके गाने को दोबारा पेश किया है। बादशाह ने इस नए ट्रैक में हरियाणा की समृद्ध और अनूठी संस्कृति को आधुनिक हिप-हॉप बीट्स के साथ मिलाकर एक नया प्रयोग किया है, और इसे राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियन सिमरन जागलान ने अपनी दमदार आवाज दी है, जिससे गाने को एक विशेष ऊर्जा मिली है। बादशाह ने टटीरी फिर से को सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि संस्कृति, ताकत और स्वैग का मिश्रण बताते हुए एक अलग ही एहसास करार दिया है। इस बार गाने में पिछले विवादों को ध्यान में रखते हुए कई बदलाव किए गए हैं। गाने के शुरुआती रैप को पूरी तरह से हटा दिया गया है, जिसमें पहले लड़कियों को लेकर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसकी जगह सिंगर ने गाने पर लगे बैन के बाद अपने कमबैक और वापसी की कहानी को शब्दों में पिरोकर पेश किया है, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक खास संदेश है। दृश्य-रूप से भी गाने में बदलाव किए गए हैं। गाने से स्कूल की ड्रेस में डांस कर रही लड़कियों वाले सीन को हटा दिया गया है, और साथ ही विवादित बस वाले सीन भी अब वीडियो में मौजूद नहीं हैं। इनकी जगह, नए गाने में हरियाणा के बुजुर्गों के खास स्वैग को दिखाया गया है, और कुछ नए डांस वीडियो को जोड़कर गाने को और अधिक मनोरंजक और स्वीकार्य बनाया गया है।

इन बदलावों से यह सुनिश्चित किया गया है कि गाना किसी भी तरह के सामाजिक विवाद से मुक्त रहे और सभी वर्गों के दर्शकों द्वारा सराहा जा सके। पूरे गाने में, सिंगर ने अपने जबरदस्त कमबैक और संगीत जगत में अपने जलवे को फिर से स्थापित करने की बात कही है। बादशाह के इस नए प्रयास को सोशल मीडिया पर जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। फैंस इस गाने को हरियाणा का नया डांसिंग नंबर बता रहे हैं और इसे खूब पसंद कर रहे हैं। यह दिखाता है कि बादशाह ने पिछली गलतियों से सीखा है और एक ऐसा उत्पाद पेश किया है जो उनके प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरा उतरता है। यह ध्यान देने योग्य है कि बादशाह के मूल टटीरी गाने को लेकर विवाद इतना गहरा गया था कि उन्हें पहले सोशल मीडिया पर और फिर हरियाणा राज्य महिला आयोग के सामने पेश होकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। गाने में महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था और बिना इजाजत के सरकारी स्कूल की ड्रेस और सरकारी बसों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने गंभीर सवाल खड़े किए थे। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने सरकारी स्कूल की ड्रेस और सरकारी बसें प्रोवाइड कराने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की थी। सिंगर के खिलाफ हरियाणा में दो अलग-अलग जगहों पर एफआईआर भी दर्ज हुई थी, जिसके बाद रिलीज के कुछ ही दिनों के भीतर गाने को सोशल मीडिया से बैन कर दिया गया था। हालांकि, तीन दिन पहले ही बादशाह ने टटीरी फिर से को रिलीज करने का ऐलान किया था, जिसने उनके प्रशंसकों में उत्सुकता जगा दी थी।

कानों से जुड़ी इन 5 गलत धारणाओं को सच मानते हैं लोग, जानिए सच्चाई

कान हमारे शरीर का एक जरूरी हिस्सा हैं और इनकी देखभाल करना बहुत अहम है। हालांकि, कानों से जुड़ी कई गलत धारणाएं हैं, जिन्हें लोग सच मानकर अपनी सेहत को नुकसान पहुंचा लेते हैं। इन गलत धारणाओं में से कुछ तो इतनी आम हैं कि लोग इन्हें बार-बार सुनते हैं और बिना सोचे-समझे अपनाते भी हैं। आइए आज हम आपको कानों से जुड़ी ऐसी ही कुछ गलत धारणाओं और उनकी सच्चाई के बारे में बताते हैं।

क्या कानों में झांकना खतरनाक होता है?

कई लोगों का मानना है कि किसी के कान में झांकना खतरनाक हो सकता है। हालांकि, सच्चाई यह है कि अगर कान साफ हो और कान के पर्दे पर जोर से न झांका जाए तो कान में झांकने से कोई नुकसान नहीं होता। इसके अलावा कानों में झांकने से कान की गहराई तक पहुंचना मुश्किल होता है, इसलिए कानों में झांकने से कोई नुकसान नहीं होता।

क्या कान में रूई लगाना जरूरी होता है?

अक्सर लोग यह मानते हैं कि कान में रूई लगाना जरूरी होता है, खासकर जब बारिश हो या तैराकी के बाद। हालांकि, ऐसा करना गलत है क्योंकि इससे कान में नमी फंस सकती है और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। बेहतर होगा कि बारिश के बाद या तैराकी के बाद कान को अच्छे से पोंछ लें ताकि नमी न रहे और संक्रमण का खतरा भी कम हो जाए।

क्या कान में मोम होना बुरा संकेत है?

यह भी एक आम धारणा है कि कान में मोम होना बुरा संकेत है। असल में कान में मोम होना एक सामान्य प्रक्रिया है और यह कान को संक्रमण से बचाने में मदद करता है। अगर मोम बहुत अधिक हो या गाढ़ा हो तो डॉक्टर से जांच कराएं ताकि कोई समस्या न हो। अपने कान को साफ रखने के लिए कभी भी किसी भी तरह के घरेलू उपाय अपनाने की बजाय डॉक्टर की सलाह लें।

क्या कान में दर्द होना हमेशा संक्रमण का संकेत होता है?

यह भी एक आम धारणा है कि कान में दर्द होना हमेशा संक्रमण का संकेत होता है। असल में कान में दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि दांतों की समस्या, साइनस संक्रमण या हवा के दबाव में बदलाव। इसलिए जब भी आपके कान में दर्द हो तो डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही कारण पता चल सके और उचित इलाज मिल सके। सही जानकारी और समय पर इलाज लेने से समस्या जल्दी ठीक हो सकती है।

क्या कान में हेयरपिन डालने से कान में मोम निकलता है? - यह भी एक आम धारणा है कि कान में हेयरपिन डालने से कान में मोम निकलता है। हालांकि, ऐसा करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि इससे कान के पर्दे को नुकसान पहुंच सकता है या कान की गहराई तक पहुंच कर चोट लग सकती है। इसलिए कभी भी इस तरह के घरेलू उपाय अपनाने की बजाय डॉक्टर की सलाह लें और कान की सफाई के लिए सुरक्षित तरीके अपनाएं।

PM Modi, France's Macron call for Hormuz access as West Asia crisis teeters on edge

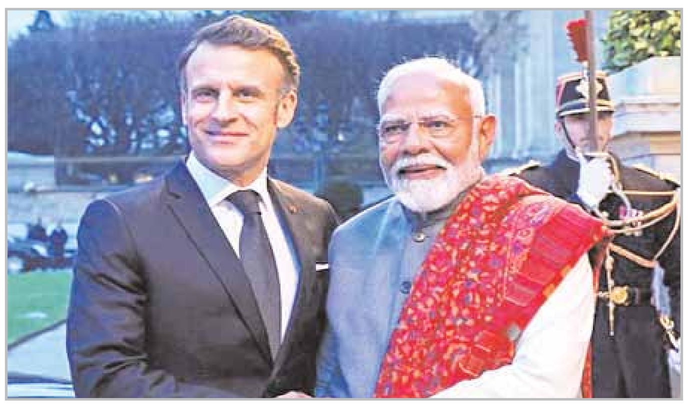

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi on Thursday held a telephonic conversation with French President Emmanuel Macron, stressing the "urgent need" to restore safety and freedom of navigation in the Strait of Hormuz, as the fast-evolving West Asia crisis threatens global energy and security stability.

"Received a phone call from my dear friend, President Emmanuel Macron. We discussed the situation in West Asia and agreed on the need to urgently restore safety and freedom of navigation in the Strait of Hormuz," Modi said, signalling India's deepening concern over the prolonged disruption in one of the world's busiest oil transit chokepoints.

The high-level exchange comes at a time when tensions between the United States and Iran remain precariously poised between diplomacy and escalation. Even as backchannel engagements continue, the situation on the ground remains volatile, with the Strait effectively restricted and global oil markets under pressure.

According to the latest developments, discussions are underway for a fresh round of face-to-face negotiations between Washington and Tehran, though no dates have been finalised yet. Pakistan confirmed that the first round yielded neither a breakthrough nor a breakdown, keeping diplomatic options alive. Reports indicate that negotiators from both sides have made limited progress, with talks now shifting towards the possibility of an interim arrangement rather than a comprehensive deal. This includes proposals around temporary curbs on Iran's nuclear programme in exchange for partial sanctions relief and easing maritime restrictions.

'Why only professors, put judges too on election duty': HC slams EC

Kolkata, Agency: Calcutta HC judge, Justice Krishna Rao, on Thursday slammed the Election Commission for not producing notifications indicating if assistant professors could be appointed as presiding polling officers in assembly elections. "You (EC) can appoint judges also under Section 26 (of the Representation of People Act) as polling officers... I am ready to go," he said, giving the poll panel another opportunity to get the facts supporting its action.

A group of assistant professors challenged EC's order directing them to join as presiding officers for the Bengal elections. They argued EC, in a previous order, had said, "Group A-equivalent senior officers, including teaching staff of universities and colleges, should not be drafted for polling duties on polling station premises without specific reasons to be recorded in writing by the DEO..."

Section 26 states a DEO can appoint a presiding officer for each polling station as necessary but will not appoint anyone employed by or is working for a candidate. Justice Rao, after hearing EC counsel's arguments, said, "We can also go to the polling office... It is not a joke, every time you are changing your notification."

Bikash Ranjan Bhattacharya, representing the assistant professors, said their main demand was not to be assigned the duty of a presiding officer.

Divya Jyoti, Bageshwar Dham get approval for foreign funding

New Delhi, Agency: Religious guru Ashutosh Maharaj's Divya Jyoti Jagrati Sansthan, Bageshwar Dham, cricketer Shikhar Dhawan's foundation and Radha Soami Satsang of Agra are some of the key NGOs that have received registration under the Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) by the Union Home Ministry, allowing them to receive foreign donations.

Divya Jyoti Jagrati Sansthan and Bageshwar Dham have been granted FCRA registration under the religious (Hindu), cultural and social categories. However, Bageshwar Dham has also received the status under the additional educational and economic categories.

Radha Soami Satsang of Agra has received it under the religious (Hindu) and social categories, while Shikhar Dhawan Foundation has got it under the social category.

Bageshwar Dham is headed by Dhirendra Krishna Shastri, known for his provocative speeches and proximity to various political leaders. His NGO is based in Madhya Pradesh's Chhatarpur district, while Divya Jyoti Jagrati Sansthan is based out of the national capital. Former cricketer Shikhar Dhawan's foundation is also based out of Delhi.

NGOs can receive foreign donations under social, religious, educational, economic and cultural activities. These NGOs are among the 38 that have received the FCRA registration in 2026 to date. Ramakrishna Missions at Bolpur in West Bengal and Purnea in Bihar have also received it this year.

Thousands hit streets in Manipur's Imphal over children's killing clash with forces

New Delhi, Agency: Thousands of people defied prohibitory orders in Manipur's Imphal West district and took out a torch rally to protest the recent bomb attack in which two children were killed, triggering clashes with security forces, officials said.

Thousands carrying torches began the rally around 7 pm on Thursday at Singjamei, demanding the immediate arrest of those responsible for the April 7 blast at Tronglaobi in Bishnupur district that claimed the lives of two children. Officials said some protesters raised slogans against the security forces and verbally abused personnel deployed at the spot. After covering nearly 2 km, the rally reached Chingamathak, a few km from the chief minister's bungalow, police headquarters and Lok Bhavan.

Security personnel, who were heavily outnumbered, asked the protesters to turn back as prohibitory orders were in force, leading to a confrontation, officials said.

As the situation turned volatile, security forces fired several rounds of tear gas shells and resorted to baton charges to disperse the crowd. Several youths allegedly pelted stones at the forces, further escalating tensions, they said.

US won't extend oil waiver; India faces energy squeeze

New Delhi, Agency: The US has confirmed it will not renew the 30-day sanctions waiver that had allowed countries, including India, to import limited quantities of Russian and Iranian oil, signalling a return to stricter enforcement and raising fresh concerns over energy supplies and costs. Announcing the decision, US Treasury Secretary Scott Bessent said the temporary licence - granted last month to ease global supply disruptions - had expired and would not be extended. The waiver, issued on March 5, had permitted Indian refiners to purchase Russian crude already loaded on vessels and stranded at sea amid escalating geopolitical tensions. Designed as a short-term measure, it was aimed at stabilising global oil markets hit by the West Asia crisis and disruptions in key shipping routes.

With its expiry earlier this month, Washington has now drawn a firm line, making it clear that no further exemptions will be granted for purchases of Russian or Iranian oil.

The move is expected to have direct implications for India, one of the largest buyers of discounted Russian crude since western sanctions were imposed on Moscow. Industry observers say the end of the waiver could affect supply chains, tighten availability of cheaper oil and potentially push up import costs.

Women not a bargaining chip, say Left leaders on quota-delimitation link

New Delhi, Agency: The Left, a long-time proponent of the Women's Reservation Bill, has expressed concern over the BJP-led Centre's move to link the legislation with the "political" exercise of delimitation. In a strong statement, party leaders said women must not be treated as a bargaining chip or a means to secure electoral gains.

Speaking to The Tribune, CPI(M) leader Subhashini Ali accused the BJP of exploiting women's aspirations for political representation to advance its own agenda.

"This Bill, in its current form, has nothing to offer to women belonging to the most disadvantaged sections of the society. When the last census was conducted in 2011, the number of seats for SC/STs was also increased along with the general ones. Today, the Modi government is silent on the OBCs, Dalits and Adivasi women who are in the need for greater representation," she said.

Ali further remarked that the Bill was being introduced in a "Machiavellian" manner and did not reflect the aspirations of the 21st-century woman. CPI leader Annie Raja, another vocal advocate of women's reservation, claimed the government had been compelled to act only after judicial intervention.

"Till 2014, all Prime Ministers had consulted women rights activists and experts on the matter. But we have not got an audience with Prime Minister Narendra Modi and the regime continues to make laws without any debate and deliberation. The Bill should have been provided to parliamentarians seven days in advance.

HP influencer questions Army men's loyalty to spouses, faces inquiry;

New Delhi, Agency: Enraged over controversial comments against Army personnel by social media influencer Ishita Pundir, complaints by several individuals, besides a Congress general secretary, have flooded the Sirmaur police, seeking action against her.Many have termed her remarks malicious. "The Army personnel are our pride and we all respect them," commented Mamta Bhardwaj.

In a Facebook video post, Ishita severely criticised Army personnel. She said, "Army men are not loyal to their girlfriends or their wives. They are definitely loyal to their nation, but they can never be loyal to their girlfriends or their wives. I've heard of many such cases and girls will agree with me, as 90 per cent of them are not loyal. I am not talking about all of them. Though I have not had any such experience, when they come on leave they have four or five girlfriends."

Her controversial remarks drew the ire of social media users. One of them, Manmohan Singh, said her malicious post had hurt the dignity and respect of Army personnel and he would file an FIR against her.

Another person, Bhupinder Singh, in his complaint to the Dadahu police in the Renuka Ji Assembly segment, demanded the registration of a defamation case against Ishita for damaging the image of the Army. He termed her post mischievous.

ED questions TMC MLA in Kolkata land-grabbing case

I-T raids home, poll office ahead of Bengal vote

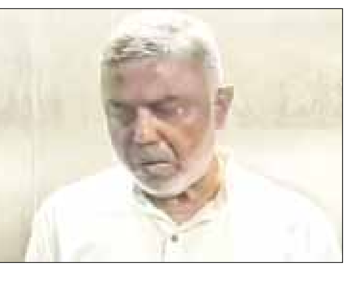

New Delhi, Agency: The Enforcement Directorate (ED) has intensified its probe into Trinamool Congress MLA Debasish Kumar in an alleged land-grabbing and illegal construction case in Kolkata, questioning him multiple times while the Income Tax Department conducted raids at his residence and election office on Friday.

Kumar, who is seeking re-election from the Rashbehari Assembly constituency in south Kolkata, was summoned by the ED on April 1, 3 and 9. He appeared before investigators at the CGO Complex in Salt Lake on all three occasions.

Income Tax officials on Friday searched Kumar's residence on Manoharpukur Road and his election office, with simultaneous operations beginning around 6 am.

The ED investigation is linked to around 17 FIRs filed against a real estate firm accused of duping investors by promising high returns. Searches were earlier conducted on March 28 at the company's office and residences of its officials, during which Kumar's name allegedly surfaced. According to agency sources, investigators are examining allegations that a construction group encroached on land parcels across south Kolkata with alleged municipal assistance.

Officials are probing whether businessman Amit Gangopadhyay and his associates obtained disputed property records, created forged documents for contested land parcels and sold them at inflated prices.

Some of the properties under scrutiny are reportedly linked to the Kolkata Municipal Corporation (KMC), where Kumar serves as Member-Mayor-in-Council (MMIC). Investigators have reportedly seized phone chats in which photographs and details of disputed land were allegedly shared with Kumar. The ED is also examining whether any money trail or financial transactions connect him to the deals. The agency is further probing the possible involvement of KMC employees and how information related to disputed properties was

How interplay of caste, geography decides winners in Tamil Nadu

New Delhi, Agency: In Tamil Nadu, elections are not decided by party arithmetic alone. Across its regions, dominant caste blocs - vanniyars in the north, gounders in the west, thevars in the south, and dalit and nadar communities in key pockets - continue to shape alliances, candidate selection and, often, the final result.

Vanniyars are concentrated in northern districts like Viluppuram, Dharmapuri, Krishnagiri, Salem, Cuddalore and Vellore. The influential OBC community rose to political prominence after Vanniyar Sangam, led by S Ramadoss, spearheaded violent protests that preceded the introduction of 20% quota for Most Backward Classes in 1989 by the M Karunanidhi govt.

The community has since then largely backed PMK, founded by Ramadoss and now under the disputed control of his son, Anbumani Ramadoss. Sizeable sections of vanniyars have also aligned with DMK and ADMK. This time, Anbumani's PMK faction, an NDA member, is contesting 18 seats, while Ramadoss senior has fielded candidates in 35 seats, mostly in the northern belt.

Shortly before the 2021 assembly polls, ADMK govt introduced a 10.5% internal quota for vanniyars, but Supreme Court struck it down. The incoming DMK govt took a cautious line, maintaining that only the Centre has the legal authority to conduct a caste census.

The DMK govt has three senior ministers from the community. "Both DMK and ADMK allot more seats to vanniyars, which shows the community's significance," says Vanniyar Federation founder-president C N Ramamurthy. DMK also received a boost last week when Guru Viruthambigai, daughter of the late PMK leader Guru, met CM MK Stalin to offer support.

If vanniyars are central to the north, gounders continue to hold sway in western Tamil Nadu, particularly in Coimbatore, Erode and Salem districts. Large sections continue to support leaders from the community such as ADMK general secretary Edappadi K Palaniswami and former ministers SP Velumani and P Thangamani. KA Sengottaiyan, another community veteran, has crossed over to Vijay's TVK. In the 2021 assembly election, the western belt was the only region that stayed with the ADMK, which won 29 of 48 seats there. This time, Stalin has assigned the region to former minister V Senthilbalaji. "DMK candidates will win in several constituencies in the western region and we will form the next govt," Senthilbalaji told Media .

In southern Tamil Nadu, thevar influence remains strong in districts such as Ramanathapuram, Sivaganga, Virudhunagar, Theni and Madurai. The mukkulathor grouping - comprising the Kallar, Maravar and Agamudaiyar communities - has long been regarded as a key support base of the ADMK, especially during the tenures of MGR and Jayalalithaa.